डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
29 मई 2026 शुक्रवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
43.8 अधिकतम
29.9 न्यूनतम

Page-7

शिवराज का मोदी पर यह 'अपनापन'... वजह तलाशते सियासी गलियारे

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किताब लिखने की आखिर क्या जरूरत आन पड़ी? यह सवाल दिल्ली से लेकर भोपाल तक की राजनीतिक और प्रशासनिक वीथिकाओं में गूंज रहा है। भाजपा के सामान्य कार्यकर्ताओं के दिलो दिमाग में भी कई सवाल घुमड़ रहे है। उधर, कांग्रेस के नेता भी इसके पीछे छिपे गूढ़ सियासी मंतव्यों की पड़ताल करने में जुटे हैं।

वैसे, दिल्ली के मीडिया जगत में उनकी किताब की उतनी चर्चा नहीं हुई जितनी सोची जा रही थी। इसके उलट, ''मोदी संग अपनापन '' को बयां करती शिवराज की इस पुस्तक के औचित्य को लेकर उनके हिमायतियों और विरोधियों में जरूर चर्चा है। बीते दो-तीन दशकों में कई पत्रकारों और लेखकों ने अपनी किताबों में मोदी पर कलम चलाई है और उनकी शख्सियत को अपने तरीके से उकेरा है।

लेकिन मोदी की काबीना में रहते हुए शिवराज सिंह सरीखा नेता उन पर किताब लिखे तो सवाल लाजमी हैं। उन्हें ही किताब की जरूरत क्यों महसूस हुई? किताब में नरेंद्र मोदी के साथ 35 साल पुराने संबंधों की जिक्र मिलने पर कई लोगों को 12 जून 2013 का भाजपा का गोवा अधिवेशन याद आ गया। इसी दिन भारी अंतर्द्वंद के बीच नरेंद्र मोदी को 2014 के लिए पीएम केंडिडेट घोषित किया गया था। तब लालकृष्ण आडवाणी के साथ उनके खास अनुयायी प्रमोद महाजन और शिवराज का रूख क्या था? वे यादें भी कइयों के जेहन में ताजा हो उठीं जब नवंबर 2013 के मप्र के विधानसभा चुनाव में मोदी के फोटो से भी परहेज किया गया था।

शिवराज ने बताया है कि किताब का मकसद पार्टी की युवा पीढ़ी को मोदी का अनुसरण करने के लिए प्रेरित करना है। भाजपा के लाखों -लाख कार्यकर्ता तो यह पहले से कर रहे हैं। फिर इस पुस्तक का क्या मतलब? लोग अपने-अपने तरीके से इसे लेकर कयास लगा रहे हैं। जो भाजपा की सियासत के तौर तरीकों से वाकिफ हैं, वह इस दलील पर सिर धुन रहे हैं। कुछ का मानना है कि यह अपनी डगमगाती कुर्सी बचाने की कवायद है। कोई कह रहा है कि वह पीएम को खुश करके देश का अगले पीएम बनने की दौड़ में खुद को बनाए रखना चाहते हैं। कुछ का बेतुका सा लगने वाला सवाल यह भी हैं कि खुद पीएम मोदी विमोचन कार्यक्रम में क्यों नहीं आए? यह सवाल भी कि पार्टी के ज्यादातर बड़े नेताओं ने इस कार्यक्रम में आने से परहेज क्यों किया? कुछ तो यह भी पूछ रहे हैं कि शिवराज ने अपने राजनीतिक गुरू लालकृष्ण आडवाणी पर किताब क्यों नहीं लिखी?

सब जानते हैं कि शिवराज की मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में राजनीतिक पारी नरेंद्र मोदी जी के 26मई 2014 को देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद भी बेरोकटोक जारी रही । 2018 के मप्र विधानसभा चुनावों को लेकर विपरीत फीडबैक के बावजूद उनका नेतृत्व नहीं बदला। कमलनाथ को मिले बारीक से बहुमत के चलते शिवराज सिंह चौहान ने खुद मुख्यमंत्री का पद छोड़ा। 15 महीने के छोटे से कार्यकाल के बाद जब कमलनाथ सरकार गिरी और ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थकों के बूते भाजपा सत्ता में लौटी तब भी मोदी ने फिर से शिवराज पर ही भरोसा जताया। लेकिन, 2023 के विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा मैदान में उतरी तो नरेंद्र मोदी ने 2018 जैसा जोखिम नहीं लिया। महाकौशल में प्रहलाद सिंह पटेल और राकेश सिंह और मालवा- निमाड़ में कैलाश विजयवर्गीय जैसे पार्टी कार्यकताओं के बीच लोकप्रिय चेहरे पर दांव खेला। ग्वालियर चंबल में भाजपा की मजबूत किलेबंदी के लिए नरेंद्र सिंह तोमर सरीखे संगठन के कामकाज में गहरा दखल रखने वाले नेता को झोंका। शिवराज ने लाड़ली बहना का बिगुल फूंका तो दिल्ली से भोपाल भेजे गए नेताओं ने हताश कार्यकर्ताओं को बूथ तक झोंका।

एक राजनीतिक विश्लेषक के नाते मेरा दूसरे कई साथियों से इतर आकलन था। वह यह कि भाजपा की बंपर जीत होगी लेकिन शिवराज बड़ी जीत के बावजूद मप्र के सीएम नहीं रहेंगे। उनका अगला सियासी मुकाम दिल्ली होगा। बाद में हुआ भी यही। पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव में शिवराज सिंह चौहान को गांव के गरीब किसान परिवार से निकले नेता के तौर पर पेश किया । 2024 की जीत के बाद उन्हें कृषि और ग्रामीण विकास विभाग का मंत्री बनाया। ऐसे में किताब के बहाने कुछ लोग बीते साल के कुछ घटनाक्रमों के चलते उनकी सियासी छवि के मूलपिंड पर लगे दागों की बात कर रहे हैं तो कुछ को यकीं है कि मोदी की तारीफों के पुल बांधती यह किताब इन तमाम दागों को धो डालेगी।

गेंद अब मोदी के पाले में हैं जो बीते दो दशकों में देश तो क्या दुनिया में अपनी सियासत का डंका बजा चुके हैं। अपने बहुआयामी व्यक्तिव के आयामों को गढ़कर अलग नैरेटिव बना चुके हैं। फिर चाहे वह डिस्कवरी चैनल के कार्यक्रम 'मैन वर्सेस वाइल्ड' के मशहूर होस्ट बीयर ग्रिल्स के साथ जिम कॉर्बेट में इंटरव्यू हो या बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता अक्षय कुमार के साथ चर्चा के जरिए अपने व्यक्तिव के कई अनछुए पहलुओं की अवधारणा बताना हो। ऐसे मोदी को शिवराज की यह किताब कितनी रास आएगी यह मोदी के सिवा कोई और नहीं जानता। वैसे... शिवराज की सियासत को समझ पाना भी आसान पहेली नहीं ।

INDIAN PREMIER LEAGUE
राजस्थान-गुजरात समय शाम 7.30

न्यूज विंडो

बेजोस की कंपनी का रॉकेट लॉन्चपैड पर हुआ ब्लास्ट

फ्लोरिडा। अमेजन के मालिक जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन के न्यू ग्लेन रॉकेट में टेस्ट के दौरान लॉन्च पैड पर ब्लास्ट हो गया। फुटेज में दिखा कि धमाके के बाद रॉकेट आग के बड़े गोले में तब्दील हो गया। ब्लू ओरिजिन ने बताया कि फ्लोरिडा के केप कैनावेरल में गुरुवार रात करीब 9:00 बजे हॉटफायर टेस्ट किया जा रहा था। इसी टेस्ट के दौरान रॉकेट में गड़बड़ी आ गई और यह हादसा हो गया। यह टेस्ट आने वाले दिनों में होने वाले एक लॉन्चिंग की तैयारी के सिलसिले में किया जा रहा था। हॉट फायर टेस्ट किसी रॉकेट को अंतरिक्ष में भेजने से पहले उसके इंजन की क्षमता जांचने की एक बेहद जरूरी प्रक्रिया है।

लखनऊ में बीजेपी युवा मोर्चा सदस्य की ईंट-पत्थरों से हत्या

लखनऊ। यहां एक क्लब के बाहर सिगरेट पीने को लेकर हुए मामूली विवाद में बीजेपी के एक युवा नेता की पीट पीट कर हत्या कर दी गई । ये घटना विभूतिखंड इलाके की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, मृतक शिवम अयोध्या के भाजपा युवा मोर्चा जिला कमेटी का सदस्य थे और पार्टी करने अयोध्या से लखनऊ आए थे। क्लब के बाहर सिगरेट पीने को लेकर कुछ युवकों से उनकी कहासुनी हुई, जिसके बाद शिवम के साथ मारपीट की गई। मारपीट के दौरान शिवम के दोस्त वहां से भाग गए। शिवम को अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। शिवम अपने दोस्तों के साथ जलवा क्लब पहुंचे थे।

आज का कार्टून

ट्विशा को चाहिए न्याय : युवा वकील की तेज़ी से बढ़ती पहुंच के पीछे कौन-सी ताकतें ?

समर्थ सिंह पर मेहरबान रहे सरकार के आला अफसरों की पड़ताल भी जरूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एक्टर और मॉडल रही ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इस बीच ट्विशा के वकील पति समर्थ सिंह का सत्ता और प्रशासनिक गलियारों में अच्छा-खासा रसूख भी चर्चा में है। बताया जा रहा है कि बहुत कम समय में उसने सरकार से जुड़े प्रभावशाली लोगों के बीच अपनी मजबूत पकड़ बना ली थी। इसी प्रभाव का परिणाम था कि उसे सरकार के कई विभागों के लीगल पैनल में शामिल किया गया। इन विभागों की ओर से अदालतों में पक्ष रखने के लिए उसे मोटी फीस और नियमित भुगतान मिलता था। सवाल यह उठ रहा है कि बेहद कम समय में एक युवा वकील की इतनी तेज़ी से बढ़ती पहुंच के पीछे आखिर कौन-सी ताकतें काम कर रही थीं।

वो कौन से रसूखदार अफ़सर हैं जिन्होंने रातों रात सिंह को इतना समर्थ बनाया ? क्योंकि काबिल युवा वकीलों की सूबे में कोई कमीं तो है नहीं। सूत्रों के मुताबिक कुछ वरिष्ठ अफसर उस पर विशेष रूप से मेहरबान थे। खासतौर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के कुछ अधिकारी। इनमें से एक अफसर मूल रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ के करीबी माने जाते हैं, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि वे पूर्व की बीजेपी सरकार और मौजूदा सरकार दोनों में भी प्रभावशाली और मलाईदार पदों पर बने हुए हैं। सत्ता बदलती रही, लेकिन उनका प्रभाव कम नहीं हुआ। अब सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या समर्थ सिंह की प्रशासनिक पहुंच और राजनीतिक संपर्कों का इस्तेमाल इस मामले की शुरुआती जांच को प्रभावित करने में हुआ। सीबीआई के सामने एक बड़ी चुनौती यही मानी जा रही है कि वह समर्थ सिंह के इन सत्ता और अफसरशाही से जुड़े कनेक्शनों की वास्तविक भूमिका का पता लगाए। जांच एजेंसी को यह भी समझना होगा कि कुछ अधिकारियों की उस पर इतनी विशेष कृपा की वजह क्या थी। क्या यह केवल पेशेवर संबंध थे या फिर इसके पीछे कोई और गहरे समीकरण काम कर रहे थे? और सबसे अहम सवाल - क्या इन प्रभावशाली संबंधों का ट्विशा के साथ कथित प्रताड़ना और हिंसा से भी कोई संबंध था?

परिवार के नजदीक रहे सूत्रों का कहना है कि ट्विशा की मौत से करीब दो महीने पहले से उसके साथ मारपीट की घटनाएं बढ़ गई थीं। उस पर अनर्गल आरोप लगाए जाने लगे थे और मानसिक दबाव भी लगातार बढ़ रहा था। ऐसे में यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि आखिर अचानक पिछले दो महीनों में ऐसा क्या बदल गया था। क्या ट्विशा किसी ऐसी बात का विरोध कर रही थी जिसे मानने के लिए उस पर दबाव बनाया जा रहा था? क्या उसने किसी बात को स्वीकार करने से इंकार कर दिया था?

कई विभागों से नियमित रूप से मिलती थी मोटी रकम

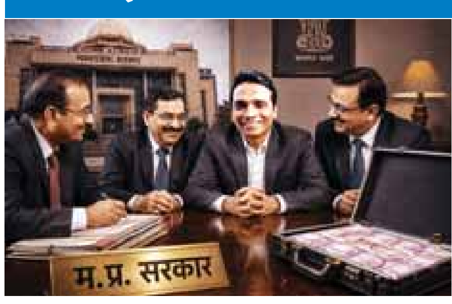

गिरिबाला की आज कोर्ट में पेशी

ट्विशा की सास पूर्व जज गिरिबाला को आज दोपहर बाद कोर्ट में पेश किया जाएगा। उन्हें सीबीआई ने आठ घंटे की पूछताछ के बाद गुरुवार शाम को गिरफ्तार किया था। उनसे एजेंसी की टीम ने ट्विशा शर्मा की मौत वाली रात की परिस्थितियों, घर में मौजूद लोगों की गतिविधियों और घटना के बाद की गई कार्रवाई को लेकर जानकारी हासिल की है। सूत्रों का कहना है कि गिरिबाला को रिमांड पर लेकर समर्थ के साथ आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जाएगी। ट्विशा के आखिरी घंटों का वर्चुअल रीक्रिएशन तैयार भी तैयार किया जा रहा है, ताकि घटना से पहले और बाद की हर गतिविधि को मिनट-टू-मिनट समझा जा सके।

समानांतर जांच से हो सकते हैं चौंकाने वाले खुलासे

मामले को जानने वाले लोगों का मानना है कि केवल घटनास्थल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट तक सीमित रहकर जांच पूरी नहीं हो सकती सीबीआई को वैवाहिक संबंधों, आर्थिक लेन-देन, फोन रिकॉर्ड, निजी बातचीत और सत्ता से जुड़े संभावित दबावों की भी समानांतर जांच करनी होगी। पांच महीने की शादी में इस स्तर का तनाव, हिंसा और संदिग्ध परिस्थितियां सामान्य नहीं मानी जा सकतीं। यही वजह है कि अब यह मामला केवल एक संदिग्ध मौत का नहीं रह गया है, बल्कि सत्ता, रसूख, प्रशासनिक संरक्षण और घरेलू हिंसा के संभावित गठजोड़ की जांच का विषय बन चुका है। आने वाले दिनों में यदि सीबीआई इस सत्ता नेटवर्क और व्यक्तिगत संबंधों की परतें खोलने में सफल होती है, तो इस मामले से कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आ सकते हैं।

हमीरपुर में सोते मजदूरों पर ब्रिज का स्लैब गिरा पांच की दर्दनाक मौत

हमीरपुर, एजेंसी। यहाँ बेतवा नदी पर बन रहे निर्माणाधीन पुल का स्लैब बीती रात 2 बजे गिर गया। हादसे में 6 मजदूरों की मौत हो गई। स्टेट एसडीआरएफ की टीम ने मलबे में फंसे 3 मजदूरों को निकाला। साढ़े 7 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। यूपी ब्रिज कॉरपोरेशन के एमडी धर्मवीर सिंह के अनुसार आंधी-बारिश के कारण स्लैब गिरा और नीचे सो रहे मजदूर दब गए। हादसे की जांच कराई जाएगी। मौसम विभाग के मुताबिक, हमीरपुर में देर रात 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चली थी।

हादसा शहर से 25 किमी दूर ललपुरा इलाके में हुआ। मृतकों में 4 बांदा और 2 हमीरपुर के रहने वाले थे। ढाई बजे से शुरू हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है, लेकिन ऐहतियात के तौर पर अभी भी मलबा हटाया जा रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं कोई और मजदूर दबा न हो। पुल पर दो शिफ्ट में काम होता है। जिस वक्त आंधी आई, पहली शिफ्ट के लोग पुल के नीचे थे, जबकि दूसरी शिफ्ट के 7 मजदूर पुल पर काम कर रहे थे। राज्य सेतु निगम पुल का निर्माण करवा रहा है। इसकी लागत 90 करोड़ रुपए है। 700 मीटर लंबा दो लेन का ब्रिज मोराकांड से कुरारा गांव के बीच बनाया जा रहा है। इसका निर्माण मार्च 2024 में शुरू हुआ था। दिसंबर 2026 तक इसे पूरा किया जाना है।

पुणे में जहरीली शराब से आठ लोगों मौत पर हड़कंप

पुणे। जिले में जहरीली शराब पीने से 8 लोगों की मौत हो गई है। इनमें से पांच मौतें पिंपरी-चिंचवाड़ के फुगेवाड़ी इलाके में और तीन पुणे शहर के हडपसर इलाके में हुई हैं। इस घटना के बाद पुणे शहर और पिंपरी-चिंचवाड़ पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुणे के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस ने योगेश वानखेड़े नाम के एक व्यक्ति को भी गिरफ़्तार किया है, जिसे पहले पुणे राज्य आबकारी विभाग ने हिरासत में लिया था।

नीट फीस रिफंड के लिए 22 तक दे सकते हैं बैंक डिटेल

नई दिल्ली। नीट यूजी 2026 परीक्षा से जुड़े उम्मीदवारों की परीक्षा शुल्क वापसी के लिए बैंक खाते की जानकारी जमा करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 22 जून 2026 कर दी गई है। यह फैसला उन छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, जिन्होंने अब तक अपने बैंक डिटेल्स जमा नहीं किए हैं। पेपर लीक के आरोपों के बाद एनटीए ने 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी थी। इसके बाद एजेंसी ने 21 जून को दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया।

मेट्रो एंकर | 90 सेकंड में बता दिए 32 शब्द, 41.5 लाख रुपए का मिला ईनाम

स्पेलिंग बी के चैंपियन बने भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख

कैलिफोर्निया, एजेंसी

कैलिफोर्निया के 14 वर्षीय भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख ने प्रतिष्ठित स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने न्यू जर्सी के ईशान गुप्ता को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता के निर्णायक स्पेल-ऑफ राउंड में श्रेय और ईशान को 90 सेकंड के भीतर अधिक से अधिक शब्दों की सही स्पेलिंग बताने का मौका मिला। श्रेय ने 90 सेकंड में 32 शब्दों की सही बताया।

श्रेय पारिख इससे पहले साल 2022 स्क्रिप्स स्पेलिंग बी में पारिख 89वें स्थान पर आए थे। साल 2024 में तीसरे स्थान पर रहे थे। 2024 में भी प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंचे थे। इस जीत के साथ उन्हें 50,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि यानी लगभग 41.5 लाख रुपये अपने नाम कर ली। साथ ही एक स्मारक पदक, प्रतिष्ठित स्क्रिप्स कप, मेरियम-वेबस्टर की ओर से 2,500 डॉलर, डेल्टा एयरलाइंस की ओर से 1,000 डॉलर के फ्लाइट क्रेडिट दिए जाएंगे।

देश-विदेशों से आए प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

तीन दिवसीय यह प्रतियोगिता सोमवार को वॉशिंगटन स्थित डीए आर कॉन्स्टिट्यूशन हॉल में शुरू हुई थी। इसमें अमेरिका के सभी 50 राज्यों, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया, गुआम, प्यूर्टो रिको, यूएस वर्जिन आइलैंड्स, यूरोप स्थित रक्षा विभाग के स्कूलों और बहामास, कनाडा, घाना, नाइजीरिया व संयुक्त अरब अमीरात सहित पांच अन्य देशों के कुल 247 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के अंतिम दौर में नौ प्रतिभागियों ने जगह बनाई थी। वहीं, जॉर्जिया के 12 वर्षीय सर्व धारवाने तीसरे स्थान पर रहे।

क्या है स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी?

स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित स्पेलिंग प्रतियोगिताओं में से एक है, जिसका आयोजन हर साल अमेरिका में किया जाता है। इस प्रतियोगिता में हजारों छात्र हिस्सा लेते हैं और कई चरणों से गुजरने के बाद विजेता का चयन होता है। इस प्रतियोगिता में केवल आठवीं कक्षा तक के छात्र भाग ले सकते हैं और उनकी उम्र 15 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। प्रतियोगियों को सबसे पहले दो प्रारंभिक राउंड पास करने होते हैं। इनमें एक स्पेलिंग राउंड और एक मल्टीपल-चॉइस वोकैबुलरी राउंड शामिल होता है।

विजय नगर में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ, निकली भव्य कलश यात्रा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

विजय नगर, लालघाटी में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। समिति के महासचिव किशन आसूदानी ने जानकारी देते हुए बताया कि कथा के आयोजन के पूर्व महामृत्युंजय मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित कमलेश उपाध्याय द्वारा विधि-विधान एवं भक्तिमय वातावरण में पूजन-अर्चन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पार्थ पूजन यजमान विजयनगर विकास समिति अध्यक्ष मनोज वर्मा-सपत्नीक, सिंधी समाज उत्थान पंचायत के अध्यक्ष आनंद सबधाणी उनकी धर्मपत्नी अदिति सबधाणी द्वारा किया गया।

भव्य कलश यात्रा हरी सेवा गंगा दरबार से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए महामृत्युंजय मंदिर पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने सिर पर कलश धारण कर उत्साहपूर्वक सहभागिता की। संपूर्ण मार्ग भक्तिमय भजनों एवं जयकारों से गुंजायमान रहा।

कथावाचिका साध्वी मंजरी प्रिया जी ने प्रथम दिवस पर श्रीमद्भागवत माहात्म्य की कथा का रसपान कराते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत भगवान श्रीकृष्ण का साक्षात स्वरूप है। कथा श्रवण से मानव जीवन में भक्ति, सदाचार एवं सकारात्मकता का संचार होता है। कलश यात्रा में हर्षिता सबधाणी, जमना देवी, निर्मला थावानी, रेखा आसुदानी, निर्मला जनयानी,गीता सचदेवा सहित अनेक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समिति द्वारा समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से प्रतिदिन कथा श्रवण हेतु अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की गई है।

बड़ा तालाब के किनारे अतिक्रमण, कल से फिर होगी कार्रवाई

अतिक्रमण हटाने का प्लान तैयार निगम की टीमें भी रहेंगी मौजूद

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल के बड़ा तालाब किनारे अतिक्रमण और कब्जों को हटाने के लिए 30 मई से फिर बड़े स्तर पर कार्रवाई शुरू होगी। जिला प्रशासन कार्रवाई के लिए मैदान में उतरेगा। वहीं, नगर निगम ने नेशनल ग्रीन ट्रूब्नल (एनजीटी) में पेश अपनी एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) में बताया है कि तालाब क्षेत्र के 21 अतिक्रमण 30 मई को हटाए जाएंगे। इसके लिए प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली गई है।

बता दें कि एनजीटी ने निगम को कार्रवाई के लिए तीन सप्ताह की अंतिम मोहलत दी थी, जो 19 मई को समाप्त हो चुकी है। मामले की अगली सुनवाई 9 जुलाई को होना है। सुनवाई के दौरान निगम और प्रशासन को ट्रिब्यूनल में एटीआर पेश करनी है। इसके चलते अफसरों ने कार्रवाई की रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट के मुताबिक, सेवनिया गौंड, गौरा विशनखेड़ी और प्रेमपुरा क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। सर्वे में चिन्हित 21 अतिक्रमणों में से तीन निर्माण वर्ष 2022 से पहले के हैं, जबकि बाकी 18 निर्माण 2022 के बाद किए गए बताए गए हैं। जानकारी के अनुसार, 5 फरवरी से शुरू हुए सीमांकन अभियान के दौरान जिला प्रशासन ने 37 दिन में बड़े तालाब क्षेत्र के 347 अतिक्रमण चिन्हित किए थे, लेकिन 92 दिन बीतने के बाद भी अब तक केवल 51 छोटे अतिक्रमण ही हटाए जा सके हैं। इनमें टीटी नगर क्षेत्र के 39 और बैरागढ़ क्षेत्र के 12 अतिक्रमण शामिल हैं। 296 अतिक्रमण अब भी बचे हैं। आखिरी कार्रवाई 29 अप्रैल को हुई थी। इसके बाद एक महीने से कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की गई। निगम ने अतिक्रमणकारियों की सूची, नक्शे और चिन्हित इमारतों की जानकारी तैयार कर ली है। लाल निशान लगे भवनों और रेस्त्रां की पहचान भी प्रशासन के पास है। अब दावा किया जा रहा है कि 30 जून तक सभी चिन्हित अतिक्रमण हटा दिए जाएंगे। भदभदा, बिसनखेड़ी, गौरागांव, बील गांव, सेवनिया गौंड और सूरजनगर में बड़ी बिल्डिंग, फॉर्म हाउस, रिसोर्ट भी देखने को मिले। बड़ा तालाब रामसर साइट भी है। बावजूद सालों से सिर्फ फाइलों में ही कब्जे हटे हैं।

बड़ा तालाब के किनारों पर भू-माफिया भी सक्रिय है, जो कम दाम पर प्लाट देने का वादा कर रहे हैं। उन्होंने और लोगों ने इस दायरे को लेकर ही भ्रम की स्थिति भी खड़ी की है। जिन मुनारों से एफटीएल की सीमा तय होती है, उन्हीं में फर्जीवाड़ा भी किया गया है।

ग्राम फंदाकला में मानसरोवर धाम कॉलोनी द्वारा शासकीय भूमि पर एवं शासकीय नाले की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया।

सुनवाई के बाद अवैध निर्माण हटाने का फैसला

निगम अधिकारियों का कहना है कि प्रशासन और निगम की संयुक्त टीम कार्रवाई करेगी। जिन निर्माणों को चिन्हित किया गया है, उनके पास किसी प्रकार की बिल्डिंग परमिशन नहीं है और सभी निर्माण बिना अनुमति किए गए हैं। जिला स्तरीय कमेटी ने 55 बड़े अतिक्रमणों की सुनवाई के बाद इन 21 अतिक्रमणों को हटाने का फैसला लिया है।

भोपाल की कवर्ड कॉलोनी में STF की बड़ी कार्रवाई

मकान से मिला अवैध नशीले कफ सिरप का जखीरा, एक हिरासत में

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल के गांधीनगर इलाके में स्थित डोबरा पटेल सिटी कॉलोनी में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात एसटीएफ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मकान से भारी मात्रा में अवैध नशीले कफ सिरप का जखीरा बरामद किया है। कार्रवाई देर रात करीब 12 बजे शुरू हुई, जो तड़के सुबह 3 बजे तक जारी रही। एसटीएफ की टीम ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कॉलोनी स्थित एक मकान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान मकान के दो अलग-अलग कमरों में बड़ी मात्रा में नशीले कफ सिरप के कार्टन और बोतलें रखी मिलीं। टीम ने मौके से कफ सिरप के सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी। एसटीएफ अधिकारियों के मुताबिक लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि गांधीनगर क्षेत्र से अवैध रूप से नशीले कफ सिरप की सप्लाई की जा रही है। इसी आधार पर टीम ने देर रात छापा मार कार्रवाई को अंजाम दिया। हालांकि स्थानीय गांधीनगर पुलिस को कार्रवाई की घनत्व नहीं लगी। कार्रवाई के दौरान एसटीएफ के कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। टीम ने मौके से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि बरामद कफ सिरप को अवैध रूप से बाजार में खपाया जा रहा था।

मकान मालिक से नहीं हो सका संपर्क

जानकारी के अनुसार जिस मकान में कार्रवाई की गई, वह किसी मालवीय नामक व्यक्ति का बताया जा रहा है। हालांकि खबर लिखे जाने तक एसटीएफ का मकान मालिक से संपर्क नहीं हो सका था। एसटीएफ अब यह पता लगाने में जुटी है कि अवैध कफ सिरप का नेटवर्क किन लोगों से जुड़ा हुआ है और इसकी सप्लाई किन क्षेत्रों में की जा रही थी। मामले में जल्द ही बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

18 साल पहले मर चुकी महिला को जिंदा बताकर बेच दी 4 करोड़ की जमीन

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल के रातीबड़ थाना क्षेत्र में जालसाजी और धोखाधड़ी का एक ऐसा हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां भू-माफियाओं ने कानून और सरकारी सिस्टम की आंखों में धूल झोंककर एक मृत महिला की चार करोड़ रुपये की जमीन की रजिस्ट्री करवा दी।

पुलिस के अनुसार, ग्राम सरवर स्थित खसरा नंबर-19 की करीब सवा एकड़ बेशकीमती जमीन कमला बाई शर्मा (पिता श्यामलाल शर्मा) के नाम पर सरकारी दस्तावेजों में दर्ज थी। शातिर जालसाजों ने इस जमीन को हड़पने के लिए प्रेमपुरा कमला नगर की रहने वाली 66 वर्षीय कमला बाई (पति बटनलाल) से संपर्क किया।

महज 4 लाख रुपये के लालच में आकर इस वृद्धा ने मृत महिला का रूप धारण किया और आईएसबीटी स्थित उप पंजीयक कार्यालय पहुंचकर खरीदार नीलेश मालवीय और चंद्रशेखर बघेल के पक्ष में फर्जी रजिस्ट्री पर हस्ताक्षर और अपनी फोटो खिंचवा दी। शिकायत सही पाए जाने के बाद रातीबड़ थाना पुलिस ने धोखाधड़ी, कूटरचना और जालसाजी का मुकदमा दर्ज कर आरोपी वृद्धा कमला बाई को हिरासत में ले लिया। लेकिन इसके बाद आरोपी महिला ने पुलिस को छकाने के लिए एक और नया पैंतरा आजमाया।

गुरुवार को जब पुलिस टीम उसे अदालत में पेश करने से पहले अनिवार्य मेडिकल चेकअप के लिए जेपी अस्पताल लेकर पहुंची, तो उसने डॉक्टरों के सामने अचानक गंभीर बीमारी का बहाना बनाना शुरू कर दिया। अपनी चालबाजी में सफल होते हुए वह अस्पताल के वार्ड में भर्ती भी हो गई। इसके बाद रातीबड़ पुलिस को कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

सरकारी रिकॉर्ड में 18 साल पहले हो चुकी थी मौत

इस महाफर्जीवाड़े का पर्दाफाश तब हुआ जब मृतका के नाती बृजेश शर्मा ने 24 मार्च 2026 को उप पंजीयक कार्यालय में मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर जब उप पंजीयक डॉ. बृजेंद्र शुक्ला ने जांच शुरू की, तो पैरों तले जमीन खिसक गई। सरकारी मृत्यु प्रमाणपत्र और अन्य अभिलेखों की जांच में यह साफ हो गया कि वास्तविक भूमिस्वामी कमला बाई शर्मा का निधन 5 अक्टूबर 2008 (करीब 18 साल पहले) ही हो चुका था। रजिस्ट्री के वक्त पेश की गई महिला का चेहरा और उम्र मृतका के रिकॉर्ड से बिल्कुल मेल नहीं खा रहे थे।

निवेश दोगुना करने का लालच देकर 3 हजार लोगों से 1.64 करोड़ की ठगी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

विभिन्न बचत योजनाओं में निवेश करा कर 12 प्रतिशत तक ब्याज देने का लालच देकर तीन हजार से अधिक लोगों से एक करोड़ 64 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। भ्रष्टाचार निवारण युवा मंच के संयोजक अशोक कुमार टाटा की शिकायत पर मप्र आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने बुधवार को मामले में एफआइआर पंजीबद्ध की है। फिक्स डिपॉजिट एवं बचत योजनाओं के नाम पर वीएसीएल जन सहयोग क्रेडिट कोआपरेटिव सोसायटी लिमिटेड ने यह धोखाधड़ी की है। ईओडब्ल्यू ने मामले में संस्था के तत्कालीन अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा सहित 14 लोगों को आरोपित बनाया है। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों ने बताया कि संस्था के सहयोगियों ने अधिक ब्याज, कम समय में राशि दोगुनी होने, रोजगार उपलब्ध कराने का प्रलोभन देकर तीन हजार से अधिक लोगों से राशि जमा कराई गई। निवेशकों को जन सहयोग कैश क्रेडिट सर्टिफिकेट जारी किए जाते थे, जिनमें जमा राशि, ब्याज दर, परिपक्वता तिथि एवं भुगतान राशि का उल्लेख किया जाता था।

बिजली-पानी संकट: करोंद में फूटी कोलार लाइन एक लाख आबादी को आज नहीं मिला पानी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल में दिन में 43 डिग्री सेल्सियस वाली गर्मी पड़ रही है। इस भीषण गर्मी में कई इलाकों में बिजली और पानी का संकट है। रात में हर रोज 50 से ज्यादा इलाकों में बिजली गुल हो जाती है। वहीं, मेट्रो और 10 लेन अयोध्या बायपास के निर्माण पानी की लाइनें लगातार फूट रही है। शुक्रवार को भी करोंद में कोलार लाइन फूट गई। लाइन फूटने की वजह से करोंद समेत करीब एक लाख आबादी को पानी नहीं मिला। करोंद में मेट्रो और एनएचएआई की लापरवाही से ऐसा होगा। जानकारी के अनुसार, करोंद चौराहे के पास गुरुवार सुबह मेट्रो की खुदाई के दौरान कोलार पाइप लाइन फूट गई। इसके कारण पुराने भोपाल के बड़े हिस्से में पानी सप्लाई प्रभावित हो गई। शुक्रवार को करीब 1 लाख आबादी तक पानी नहीं पहुंचेगा। पिछले 15 दिन में मेट्रो और एनएचएआई की खुदाई के दौरान 14वीं बार पाइप लाइन टूटी है। नगर निगम की टीम देर शाम तक लाइन सुधारने में जुटी रही, लेकिन तब तक लाखों गैलन पानी बह चुका था।

नगर निगम ने निर्माण एजेंसियों को पहले पानी और सीवेज लाइन शिफ्ट करने के निर्देश दिए हैं। लाइन शिफ्टिंग पूरी होने के बाद ही निर्माण कार्य शुरू किया जाना है। इसके बावजूद कई एजेंसियां सीधे खुदाई शुरू कर रही हैं। इससे निगम को लाखों रुपए का नुकसान हो रहा है। अयोध्या बायपास पर सड़क निर्माण के दौरान एनएचएआई पिछले 15 दिनों में 12 बार पानी की पाइपलाइन तोड़ चुका है। अधिकारियों के मुताबिक लाइन शिफ्टिंग किए बिना खुदाई करने से बार-बार जल संकट की स्थिति बन रही है।

आरिफ नगर में फूटी लाइन, निगम देगा नोटिस

नगर निगम के अनुसार, बैरसिया रोड स्थित आरिफ नगर के पास भोपाल मेट्रो के निर्माण के चलते कोलार फीडर की 400 एमएम व्यास की डीआई लाइन क्षतिग्रस्त होने से एलआईजी, नारियलखेड़ा, पिंजोमल, चौकसे नगर, जेपी नगर, आरिफ नगर, डीआईजी चौराहा, रेशम केंद्र एवं टीला जमालपुरा आदि क्षेत्रों की जलप्रदाय व्यवस्था बाधित हुई है। भोपाल मेट्रो रेल प्रोजेक्ट में बार-बार पानी की लाइन फूट रही है। इस पर निगम मेट्रो प्रबंधन को नोटिस देगा और जुर्माने की कार्रवाई करेगा। ताकि, आगे से ऐसा न हो।

मेट्रो एंकर

चिकन खाने के विवाद को लेकर अलग-अलग रहने लगे थे

‘मुर्गा’ बना था विलेन: 20 साल बाद फिर साथ आए पति-पत्नी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में सामने आया एक अनोखा पारिवारिक मामला इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रेम विवाह करने वाले एक दंपति के रिश्ते में ऐसा विवाद पैदा हुआ कि दोनों करीब 20 साल तक अलग-अलग रहे। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे विवाद की वजह चिकन खाना बना। हालांकि दो दशक बाद बेटी के भविष्य और बढ़ती उम्र का हवाला देकर दोनों ने रिश्ते को एक और मौका दिया और आखिरकार सभी विवाद खत्म कर साथ रहने का फैसला कर लिया।

दंपति की शादी को 23 साल हो चुके हैं और उनकी 21 वर्षीय बेटी भी है। पति ब्राह्मण परिवार से हैं और शासकीय सेवा में कार्यरत हैं जबकि पत्नी अग्रवाल परिवार से हैं और एमबीए करने के बाद निजी क्षेत्र में नौकरी कर रही हैं। दोनों एक ही मोहल्ले में रहते थे और प्रेम

विवाह के बाद वैवाहिक जीवन की शुरुआत की थी। मीडिएशन सेंटर में हुई काउंसलिंग के दौरान पति ने बताया कि दोनों परिवार पूरी तरह शाकाहारी हैं। उन्हें पहले से पता था कि उनकी प्रेमिका कभी-कभी नॉनवेज खाती है। शादी से पहले इस विषय पर चर्चा भी हुई थी जिसमें पत्नी ने नॉनवेज छोड़ने की बात कही थी। काउंसलिंग के दौरान पत्नी ने कहा कि बेटी के जन्म के बाद वह मानसिक तनाव और भावनात्मक दबाव से गुजर रही थीं। उन्हें नॉनवेज खाने की इच्छा हुई इसलिए सहेली से मंगवाकर खाया था। उन्होंने कहा कि अगर उस समय पति शांतिपूर्वक बात करते तो शायद विवाद इतना नहीं बढ़ता। अब पीछे मुड़कर देखने पर उन्हें भी लगता है कि उस दौर में कई फैसले जल्दबाजी में लिए गए। मामला भोपाल के मीडिएशन सेंटर पहुंचा, जहां दोनों की काउंसलिंग की गई। काउंसलर्स ने दंपति को समझाया कि बीते वर्षों के विवादों को पीछे छोड़कर बेटी के भविष्य और अपने आने वाले जीवन के बारे में सोचें। उन्हें कुछ समय साथ बिताने की सलाह दी गई ताकि वे बिना किसी दबाव के अपने रिश्ते पर दोबारा विचार कर सकें।काउंसलिंग के बाद पति-पत्नी करीब 15 दिनों तक साथ रहे। इस दौरान दोनों ने पुराने मतभेद भुलाकर रिश्ते को एक और मौका देने का फैसला किया। आखिरकार दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ चल रहे सभी कानूनी मामले वापस लेने पर सहमति जताई और करीब 20 साल बाद फिर से साथ रहने का निर्णय लिया।

चिकन खाते देख भड़का विवाद

पति के मुताबिक बेटी के जन्म के कुछ समय बाद उन्होंने पत्नी को घर में छिपकर चिकन खाते हुए देख लिया। पत्नी की एक सहेली उनके लिए चुपचाप नॉनवेज लेकर आई थी। जब पति ने इस बारे में सवाल किया तो मामला बहस तक पहुंच गया। पति का कहना है कि पत्नी ने उस दौरान कहा कि शादी उन्हें बंधन जैसी लगने लगी है और उन्होंने शादी को गलती तक बता दिया। इसके बाद दोनों के रिश्तों में खटास बढ़ती चली गई।

मायके गई पत्नी, फिर विवाद

विवाद बढ़ने के बाद पत्नी मायके चली गईं। पति के अनुसार कई वर्षों तक समझाने के बावजूद जब पत्नी वापस नहीं लौटीं तो उन्होंने तलाक की बात कही। इसके जवाब में पत्नी ने ससुराल पक्ष के खिलाफ प्रताड़ना का मामला दर्ज करा दिया। यहीं से मामला अदालत और कानूनी लड़ाई तक पहुंच गया। दोनों के बीच संवाद लगभग खत्म हो गया और रिश्ते में दूरियां बढ़ती चली गईं।

जल संरक्षण को बनाये जन आंदोलन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्राचीन अहिल्या कुंड के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना भी की। सीएम ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सभी से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। जल बचा कर भावी पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है।

राज्यसभा चुनाव : भाजपा उम्मीदवारों पर अटकलें

विजयवर्गीय, नरोत्तम, भदौरिया, रंजना बघेल के नाम; आरएसएस से अभय महाजन, महेश शर्मा आगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्यसभा की 26 सीटों के लिए 18 जून को मतदान होगा। इसी दिन रिजल्ट आने की भी संभावना है। इनमें मध्य प्रदेश की तीन सीटें भी शामिल हैं। बीजेपी के कब्जे वाली दो सीटों पर अभी केंद्रीय राज्यमंत्री जॉर्ज कुरियन और डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी सांसद हैं। वहीं, कांग्रेस की एक सीट पर दिग्विजय सिंह दूसरी बार के सांसद हैं।

बीजेपी की तरफ से उम्मीदवारों के नाम का ऐलान अगले 3-4 दिन में होने की पूरी संभावना है। पार्टी की मध्य प्रदेश इकाई ने केंद्रीय नेतृत्व को संभावित उम्मीदवारों के नाम की लिस्ट सौंप दी है। इस बार सामान्य वर्ग के उम्मीदवार को बीजेपी की ओर से राज्यसभा भेजने पर मंथन चल रहा है। हालांकि, लिस्ट में सभी वर्गों के नेताओं के नाम शामिल हैं।

बीजेपी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया, नरोत्तम मिश्रा, अखंड प्रताप सिंह, जीएस डामोर राज्यसभा के संभावित उम्मीदवारों की लिस्ट में शामिल हैं। महिला कोटे से रंजना बघेल का नाम है। वहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से दीनदयाल शोध संस्थान के अध्यक्ष अभय महाजन और झाबुआ के जनजातीय क्षेत्र में संघ का काम संभालने वाले महेश शर्मा के नाम भी रेस में हैं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय राज्य मंत्रिमंडल से मुक्त होकर राष्ट्रीय राजनीति में काम करने के इच्छुक हैं। उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व को अपनी इच्छा बता दी है। वे 7 बार के विधायक हैं। इंदौर के मेयर, बीजेपी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री रह चुके हैं। पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया संघ में लंबे समय तक काम करते रहे हैं। भाजपा में भी संगठन मंत्री के तौर पर बुंदेलखंड क्षेत्र में जिम्मेदारी निभाई है।

आदिवासी वर्ग से इन नेताओं के नाम

डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी बीजेपी का बड़ा आदिवासी चेहरा है। बड़वानी जिले के रहने वाले सोलंकी आदिवासी क्षेत्रों में लंबे समय से संघ का काम करते आ रहे हैं। जीएस डामोर कांग्रेस के दिग्गज नेता कांतिलाल भूरिया के बेटे डॉ. विक्रांत भूरिया को हराकर 2018 में झाबुआ से विधायक बने थे। 2019 में लोकसभा चुनाव लड़े और सांसद चुने गए। राजनीति में आने से पहले जल संसाधन विभाग में चीफ इंजीनियर थे। 2024 के चुनाव में जीएस डामोर का टिकट कट गया था। रंजना बघेल धार जिले के मनावर से 3 बार विधायक रही हैं। वे शिवराज सरकार में महिला बाल विकास विभाग की मंत्री थीं।

मप्र में तबादले की तैयारी में जुटे विभाग, बुलाई पोस्टिंग डिटेल

एनएचएम दो जून तक लेगा आवेदन, स्कूल शिक्षा विभाग ने पूछा-किस विद्यालय में कौन-कौन पदस्थ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

तबादले की अवधि नजदीक आने के साथ प्रदेश के अलग-अलग विभागों के विभागाध्यक्षों ने विभागीय तबादला नीति जारी करने के साथ जिलों में पदस्थ अलग-अलग कैडर के अफसरों का ब्यौरा जुटाना शुरू कर दिया है। लोक निर्माण और जल संसाधन विभाग ने इंजीनियरों की वर्तमान पोस्टिंग, पदनाम और अतिरिक्त प्रभार की जानकारी मांगी है तो स्कूल शिक्षा विभाग ने हर विद्यालय में पदस्थ एक-एक शिक्षक का ब्यौरा पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने संविदा कर्मचारियों के तबादले के लिए 2 जून तक ऑनलाइन आवेदन बुला लिए हैं, तो पीएचक्यू ने आरक्षक से सब इंस्पेक्टर तक के तबादले पांच जून तक करने की डेडलाइन तय कर दी है। मोहन कैबिनेट के फैसले के बाद 22 मई को सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रदेश के कर्मचारी अधिकारियों के राज्य और जिला संवर्ग स्तर पर तबादले की पॉलिसी जारी कर दी है। इसमें तबादले की अलग-अलग परिस्थितियों के आधार पर विभागों को ऑनलाइन आवेदन मंगाने के लिए कहा गया है। साथ ही यह भी साफ किया गया है कि अगर कोई अधिकारी कर्मचारी सरकार द्वारा तय टारगेट को अचीव नहीं कर पाता है तो उसे प्रशासनिक आधार पर तीन साल की अवधि के पहले भी स्थानांतरित किया जा सकता है।

एनएचएम ने मांगी संविदा कर्मचारियों की डिटेल

दूसरी ओर स्वास्थ्य विभाग ने भी इस पर काम शुरू कर दिया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की अपर मिशन संचालक दिशा नागवंशी ने एनएचएम में काम करने वाले संविदा कर्मचारियों के स्वैच्छिक स्थानांतरण के ऑनलाइन प्रस्ताव 2 जून तक मांगे हैं। इसके लिए संविदा तबादले की पॉलिसी भी जारी कर दी गई है। ऑनलान आवेदन 27 मई से लेने का सिलसिला पोर्टल पर शुरू हुआ है और 2 जून की रात 12 बजे तक आवेदन किए जा सकेंगे।

जल संसाधन विभाग ने मांगी इंजीनियरों की पदस्थापना

जल संसाधन विभाग ने आयुक्त कमांड क्षेत्र और विकास संचालनालय, आयुक्त भू अर्जन और पुनर्वास बाणसागर रीवा, सभी मुख्य अभियंता, परियोजना संचालक, अधीक्षण यंत्री और कार्यपालन यंत्री को पत्र लिखकर कहा है कि विभाग के प्रथम, द्वितीय, तृतीय श्रेणी कर्मचारियों के नाम, पदनाम, पदस्थापना स्थल, जहां से वेतन निकलता है वहां की जानकारी के साथ गृह जिला, सेवानिवृत्ति तिथि, जिन पदों के अतिरिक्त प्रभार में हैं उस पद और कार्यालय का नाम तथा तारीख की जानकारी शासन को भेजें।

स्कूल शिक्षा विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों को लिखा पत्र

उधर स्कूल शिक्षा विभाग ने भी एजुकेशन 3.0 पोर्टल पर हर विद्यालय में विषय वार पदस्थ शिक्षकों का ब्यौरा एंट्री करने के लिए कहा है। इसके लिए सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से कहा गया है कि विद्यालय वार और विषय वार एंट्री कराएं और जिन शिक्षकों की मृत्यु हो गई है या रिटायर हो गए हैं, उनके नाम विद्यालय में पदस्थ शिक्षकों की सूची से हटाएं ताकि जब विभाग द्वारा तबादले की कार्यवाही की जाए तो यह स्थिति न बने कि विद्यालय में पहले से पर्याप्त शिक्षक पदस्थ हों और अतिरिक्त पदस्थापना हो जाए या फिर पद भरे होने की जानकारी पोर्टल पर हो जबकि वास्तव में टीचर न हों तो वहां पोस्टिंग न हो पाए। लोक शिक्षण आयुक्त इसकी जिलावार समीक्षा 30 मई को करेंगे। लोक शिक्षण आयुक्त ने एक अन्य निर्देश जारी कर कहा है कि जिन शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना में लगी है उनके तबादले फरवरी 2027 तक नहीं होंगे। ऐसे शिक्षकों की संख्या 58 हजार से अधिक है जो जनगणना ड्यूटी में लगे हैं।

5 जून तक आरक्षक से एसआई तक के तबादले

इसी तरह गृह विभाग के अंतर्गत पुलिस मुख्यालय ने भोपाल, इंदौर के पुलिस आयुक्त, एसपी रेल समेत सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों से कहा है कि किसी एक थाने में आरक्षक से लेकर सब इंस्पेक्टर तक के कर्मचारी की एक पद पर पदस्थापना पांच साल से अधिक नहीं होना चाहिए। साथ ही एक बार पोस्टिंग के बाद संबंधित कर्मचारी की पदस्थापना दोबारा उसी थाने में नहीं होनी चाहिए। अलग-अलग पदों पर पदस्थापना के मामले में किसी भी कर्मचारी की पोस्टिंग में तीन साल का अंतर होना चाहिए। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि आरक्षक से लेकर सब इंस्पेक्टर तक के कर्मचारी को एक ही पुलिस अनुविभाग में दस साल से अधिक समय तक नहीं रहना चाहिए। पुलिस मुख्यालय ने इस आधार पर पांच जून तक तबादला करके सूची मुख्यालय को भेजने कहा है।

इंदौर-दिल्ली रूट पर एक जून से चार उड़ानें होगी बंद

इंदौर। इंदौर-दिल्ली के बीच संचालित होने वाली चार उड़ानें एक जून से बंद हो जाएगी। एयर इंडिया इंदौर-दिल्ली रूट पर अपनी उड़ानों में कमी करने जा रही है। वर्तमान में एयर इंडिया प्रतिदिन दिल्ली से इंदौर-दिल्ली के बीच आठ उड़ानें संचालित करती है। यह उड़ान दिल्ली से इंदौर आकर वापस दिल्ली जाती है। एयरलाइंस ने जून से अपनी वेबसाइट से चार उड़ानों को हटा दिया है। 31 मई तक दोनों शहरों के बीच आठ नानस्टाप उड़ानें उपलब्ध हैं, जबकि जून से केवल दो उड़ानें दिखाई दे रही हैं। इंदौर से सुबह 9.40 बजे और दोपहर 12.15 बजे दिल्ली जाने वाली और दिल्ली से सुबह 7.15 बजे और दोपहर 1.45 बजे इंदौर आने वाली उड़ान बंद होगी। उल्लेखनीय है कि देश में लगातार बढ़ रही एविएशन फ्यूल की कीमतों का असर अब हवाई सेवाओं पर भी दिखाई देने लगा है। एयर इंडिया (द्वह्र ढ्ढठ्ठस्रद्बड्ड) ने बढ़ती परिचालन लागत के दबाव के चलते अपनी घरेलू उड़ानों में 20 से 22 फीसदी तक कटौती करने का फैसला लिया है। सूत्रों के अनुसार, एयरलाइन इससे पहले अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में भी करीब 27 फीसदी की कमी कर चुकी है। फिलहाल एयर इंडिया हर सप्ताह करीब 4400 उड़ानों का संचालन करती है।

पूजा पांडे केस के बाद उठे कई सवाल

प्रदेश की जेलों में बंद माताओं के साथ रहने को मजबूर 112 बच्चे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सिवनी जिले में हवाला के तीन करोड़ रुपये के बंदरबांट के आरोप में जेल में बंद निलंबित एसडीओपी पूजा पांडे को इस आधार पर सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई कि वह सिंगल पैरेंट हैं, उनके साथ दो साल की बच्ची भी जेल में रह रही है। प्रदेश की विभिन्न जेलों में ऐसे ही 112 बच्चे अपनी मां के साथ रहने को मजबूर हैं। इनमें ऐसे भी मामले हैं जो पूजा पांडे की तरह जमानत के लिए मजबूत पक्ष हैं, पर आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे सुप्रीम कोर्ट में जमानत की याचिका नहीं लगा पा रही हैं। राज्य की जेलों में लगभग 1600 महिलाएं और 42 हजार पुरुष कैदी बंद हैं। भोपाल जेल में 191 महिला कैदी हैं, जिनमें 102 दोषी करार दी जा चुकी हैं। बाकी का ट्रायल चल रहा है। इन महिलाओं के साथ छह वर्ष तक की आयु के 12 बच्चे रह रहे हैं। जेल नियमावली के अनुसार वे अपनी मां के साथ रह सकते हैं। सश्रम कारावास की सजा के अंतर्गत महिला कैदियों को विभिन्न तरह के काम भी करने होते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चे की देखभाल ठीक से नहीं हो पाती, न ही एक मां की तरह वह अपने बच्चे के साथ समय गुजार पाती है। हालांकि, रविवार का दिन जेल में बंद बच्चों के लिए खुशियों भरा होता है, जब परिवार के लोग उनसे मिल सकते हैं। इसके लिए आधे घंटे का समय निर्धारित है।

खुली जेलों का प्रस्ताव और बच्चों के लिए सुविधाएं

जेल डीजी वरुण कपूर ने बताया कि प्रदेश की खुली जेलों में महिला कैदियों को रखने का प्रस्ताव भी शासन को भेजा गया है, जिसे जल्द स्वीकृति मिलने के आसार हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जेलों में छोटे बच्चों के लिए प्ले एरिया बनाए गए हैं। साथ ही जेल के स्कूलों में वे पढ़ाई के लिए भी जा सकते हैं। हालांकि, छह वर्ष तक की आयु के बच्चे ही रहते हैं, इसलिए केजी-एक, केजी-दो में ही जा सकते हैं।

सीएम मोहन यादव के नेतृत्व में गेहूं खरीदी में बना नया रिकॉर्ड

104 लाख मीट्रिक टन से अधिक उपार्जन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने इस वर्ष गेहूं उपार्जन में नया रिकॉर्ड कायम किया है। प्रदेश ने निर्धारित 100 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य को पार करते हुए 104 लाख 22 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूं की खरीदी की है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने इसे किसानों के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता और बेहतर प्रबंधन का परिणाम बताया है।

प्रदेश को शुरुआत में गेहूं खरीदी के लिए 78 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य मिला था, लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से केंद्र सरकार ने इसे बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया। निर्धारित लक्ष्य से अधिक खरीदी कर मध्यप्रदेश ने देशभर में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। मंत्री राजपूत ने बताया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 13 लाख 41 हजार 266 किसानों से गेहूं खरीदा गया, जो देश में सर्वाधिक है। गेहूं उपार्जन के मामले में मध्यप्रदेश पंजाब के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

कोविड अवधि को छोड़ दें तो पिछले 10 वर्षों में यह सबसे बड़ा गेहूं उपार्जन माना जा रहा है। राज्य सरकार ने विशेष रूप से लघु और सीमांत किसानों को प्राथमिकता देते हुए खरीदी व्यवस्था को सुचारु बनाया। प्रदेश के 8 लाख 9 हजार 990 छोटे और सीमांत किसानों से 32 लाख 14 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूं खरीदा गया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने स्वयं कई खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने किसानों से सीधे संवाद कर तौल, भुगतान, बारदाने और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली।

किसानों को 23 हजार करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

राज्य सरकार द्वारा अब तक किसानों को 23 हजार 708 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। खरीदे गए गेहूं में से 96 लाख 52 हजार 957 मीट्रिक टन का परिवहन भी पूरा हो चुका है, जो कुल उपार्जन का लगभग 93 प्रतिशत है। प्रदेश में किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य और 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस सहित कुल 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदा गया। संभागवार आंकड़ों के अनुसार भोपाल संभाग में सबसे अधिक 28.47 लाख मीट्रिक टन और उज्जैन संभाग में 22.84 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन हुआ। इसके अलावा जबलपुर, नर्मदापुरम, इंदौर, सागर और रीवा संभागों में भी बड़े स्तर पर खरीदी दर्ज की गई।

स्वच्छ सर्वेक्षण पर सियासत

कांग्रेस ने खट्टर से की शिकायत

भोपाल। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के बीच राजधानी भोपाल की सफाई व्यवस्था को लेकर सियासत गरमा गई है। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर को पत्र लिखकर नगर निगम भोपाल और जिला प्रशासन पर स्वच्छ सर्वेक्षण टीम को गुमराह करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस का दावा है कि शहर की बदहाल व्यवस्थाओं को छिपाने के लिए सिर्फ रंगरोगन और दिखावटी सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, जबकि जमीनी हालात अब भी चिंताजनक हैं।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि स्वच्छ सर्वेक्षण के दौरान निगम वास्तविक समस्याओं को दूर करने के बजाय निरीक्षण टीम को चमकदार तस्वीर दिखाने में जुटा है। उन्होंने कहा कि लाखों रुपये पुताई और सजावट पर खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन शहर के कई सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी और अव्यवस्था बनी हुई है।

10 नंबर मार्केट के सुलभ शौचालय को बनाया मुद्दा

कांग्रेस ने अरेरा कॉलोनी स्थित 10 नंबर मार्केट के सुलभ शौचालय का उदाहरण देते हुए कहा कि बाहर से रंगाई-पुताई कर भवन को आकर्षक दिखाया गया है, लेकिन अंदर टूटी पाइपलाइन, गंदगी और दुर्गंध से लोग परेशान हैं। आरोप है कि महिलाओं, बुजुर्गों और बाजार आने वाले नागरिकों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विवेक त्रिपाठी ने कहा कि अरेरा कॉलोनी नगर निगम को सर्वाधिक राजस्व देने वाले क्षेत्रों में शामिल है, इसके बावजूद यहां मूलभूत सुविधाओं की हालत खराब है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं तो शहर में गंदगी और अव्यवस्था क्यों बनी हुई है।

दोपहर मेट्रो

जल गंगा संवर्धन अभियान का दिख रहा असर

धरती की बुझी प्यास से पन्ना की झिरियों में लौटी जैव-विविधता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दक्षिण पन्ना वनमंडल की रैपुरा रेंज अंतर्गत भरतला बीट में स्थित रामडोल की झिरिया एवं दाने बाबा की झिरिया में जल गंगा संवर्धन अभियान में प्राकृतिक झिरियों की साफ-सफाई और मरम्मत का कार्य कराया गया। इसके परिणामस्वरूप इन झिरियों को पुनर्जीवन मिला और भीषण गर्मी में भी इनमें जल बना हुआ है। इससे झिरियों के आसपास के वन क्षेत्रों में वन्य पक्षियों की वापसी हुई है तथा क्षेत्र की जैव-विविधता पुनर्जीवित हो उठी है।

प्राकृतिक जल स्रोतों के आसपास बड़ी संख्या में मधुमक्खियों के छत्ते अब शहद से भरे दिखाई दे रहे हैं। पक्षियों के घोंसले फिर आबाद हो गए हैं और अन्य वन्यजीवों की सक्रियता भी बढ़ी है। वन क्षेत्र में दूधराज (एशियन पैराडाइज फ्लाईकैचर), ब्लैक-नैप्ड मोनार्क, किंगफिशर, बाज, उल्लू, मोर, हरियल तथा जंगली मुर्गा सहित अनेक पक्षी प्रजातियाँ विहार कर रही हैं। कई पक्षियों के घोंसलों में अंडे भी पाए गए हैं। इससे स्पष्ट है कि यह क्षेत्र अब वन्यजीवों, स्थानीय तथा प्रवासी पक्षियों के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल प्राकृतिक आवास बन गया है।

झिरियों में निरंतर हो रहा जल प्रवाहित

स्थानीय ग्रामीणों और वनकर्मियों ने बताया कि पिछली गर्मियों तक भीषण गर्मी के दौरान यहां की प्राकृतिक झिरियाँ सूख जाया करती थीं। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत वन विभाग ने इन झिरियों की पहचान कर उनकी सफाई और मरम्मत कराई। वन विभाग के प्रयासों से इस वर्ष इन झिरियों में जल निरंतर प्रवाहित हो रहा है। जल स्रोतों से वन्यजीवों और पक्षियों को राहत मिल रही है। साथ ही मधुमक्खियों, तितलियों और अन्य छोटे जीवों के लिए भी यह वन क्षेत्र महत्वपूर्ण पारिस्थितिक आश्रय बन गया है।

जल संरक्षण और जैव-विविधता संरक्षण का यह समन्वित प्रयास दक्षिण पन्ना वनमंडल में प्राकृतिक संरक्षण के एक प्रभावी मॉडल के रूप में उभर कर सामने आया है।

झीलों के शहर पर हरियाली संकट

भोपाल को देशभर में 'झीलों का शहर' कहा जाता है। बड़ी और छोटी झील, वन क्षेत्र और हरियाली यहां की पहचान रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में शहर में तेजी से कटते पेड़ और अंधाधुंध निर्माण कार्य इस पहचान पर गंभीर खतरा बनकर उभर रहे हैं। विकास के नाम पर सड़कों के चौड़ीकरण, कॉलोनियों और व्यावसायिक परियोजनाओं के लिए हजारों पेड़ काटे जा रहे हैं। इसका सीधा असर भोपाल के पर्यावरण, जलवायु और नागरिकों के स्वास्थ्य पर दिखाई देने लगा है।

पेड़ केवल हरियाली का प्रतीक नहीं होते, बल्कि वे शहर के प्राकृतिक संतुलन के सबसे बड़े रक्षक हैं। भोपाल जैसे शहर में, जहां झीलों का अस्तित्व वातावरण की नमी और हरित क्षेत्र पर निर्भर करता है, वहां पेड़ों की कटाई भविष्य के लिए खतरनाक संकेत है। लगातार कम होती हरियाली के कारण शहर का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। गर्मियों में हीट वेव जैसी स्थिति अब सामान्य होती जा रही है। बारिश का चक्र भी प्रभावित हो रहा है, जिससे कभी अत्यधिक वर्षा तो कभी सूखे जैसे हालात बन रहे हैं।

सबसे चिंता की बात यह है कि पेड़ों की कटाई केवल पर्यावरणीय नुकसान तक सीमित नहीं है। इससे पक्षियों और छोटे जीवों का प्राकृतिक आवास खत्म हो रहा है। शहर की हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है और नागरिकों को सांस संबंधी बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। भोपाल की पहचान उसकी प्राकृतिक सुंदरता रही है, लेकिन यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाली पीढ़ियां केवल तस्वीरों में हराभरा भोपाल देख पाएंगी।

सरकार और प्रशासन को यह समझना होगा कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। विकास जरूरी है, लेकिन ऐसा विकास नहीं जो शहर की सांसें छीन ले। हर परियोजना से पहले पर्यावरणीय प्रभाव का गंभीर अध्ययन होना चाहिए। जितने पेड़ काटे जाएं, उससे कई गुना अधिक पेड़ लगाने और उन्हें संरक्षित करने की ठोस व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। केवल पौधारोपण के फोटो खिंचवाने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि पेड़ों को जीवित रखना भी उतना ही आवश्यक है।

भोपाल की झीलें और हरियाली केवल प्राकृतिक धरोहर नहीं, बल्कि शहर की आत्मा हैं। यदि इन्हें बचाने के लिए अभी गंभीर कदम नहीं उठाए गए, तो 'झीलों का शहर' धीरे-धीरे कंक्रीट के जंगल में बदल जाएगा। पर्यावरण संरक्षण अब विकल्प नहीं, बल्कि भोपाल के अस्तित्व की आवश्यकता बन चुका है।

अंतरराष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस पर विशेष

माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई: साहस, धैर्य और इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

एवरेस्ट दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है, जिसकी ऊंचाई 8848 मीटर है। दुनिया के इस सबसे ऊंचे पर्वत शिखर को आज से 73 वर्ष पूर्व 29 मई 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने फतह किया था। उनकी जीत के उपलक्ष्य में ही उनकी याद में प्रतिवर्ष 29 मई को अंतरराष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस मनाया जाता है, जिसे 'अंतरराष्ट्रीय सगरमाथा दिवस' के रूप में भी जाना जाता है। पहली बार माउंट एवरेस्ट दिवस सर एडमंड हिलेरी की मृत्यु के बाद साल 2008 में मनाया गया था, तभी से यह दिवस नेपाल और न्यूजीलैंड में 29 मई को मनाया जाता रहा है।

एवरेस्ट की चोटी नेपाल और चीन (तिब्बत) की सीमा पर स्थित है और यह दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य नेपाल पर्यटन को बढ़ावा देना भी है। वैसे सही मायनों में यह दिवस पर्वतारोहियों को सम्मानित करने के लिए नेपाल द्वारा मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह दिवस पर्वतारोहियों को एवरेस्ट की चोटी फतह करने के लिए प्रेरित करता है। अंतरराष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस केवल एडमंड हिलेरी और तेनजिंग शेरपा की विजय का जश्न मनाने का ही दिन नहीं है बल्कि यह पहाड़ पर चढ़ने के खतरों को बताने और उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जिन्होंने इस सफर के दौरान अपने प्राण गंवा दिए। तमाम खतरों के बावजूद माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई का यह सिलसिला आज भी जारी है।

विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना आज भी मानव साहस, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा माना जाता है। समुद्र तल से 8,848.86 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शिखर केवल बर्फ और पत्थरों का पहाड़ नहीं बल्कि रोमांच, जोखिम और मौत से सीधी मुठभेड़ का प्रतीक बन चुका है। दुनियाभर के हजारों पर्वतारोही हर वर्ष इसे फतह करने का सपना लेकर हिमालय की ओर बढ़ते हैं लेकिन उनमें से चुनिंदा लोग ही सफलता प्राप्त कर पाते हैं। कई पर्वतारोही इस दुर्गम यात्रा के दौरान बर्फीली हवाओं, ऑक्सीजन की कमी, हिमस्खलन और खतरनाक दर्रों का सामना करते हुए जान गंवा बैठते हैं। इतिहास गवाह है कि एवरेस्ट की चढ़ाई हमेशा से जोखिमों से भरी रही है। आंकड़ों के अनुसार, एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले प्रत्येक 100 पर्वतारोहियों में लगभग 4 लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2014 और 2015 एवरेस्ट के इतिहास के सबसे दर्दनाक वर्षों में गिने जाते हैं, जब हिमस्खलन और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण तीन दर्जन से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। एवरेस्ट की बर्फीली ढलानों पर आज भी अनेक पर्वतारोहियों के शव मौजूद हैं, जिन्हें नीचे लाना लगभग असंभव माना जाता है। मई महीने का एवरेस्ट के संदर्भ में विशेष महत्व है क्योंकि इसी दौरान मौसम अपेक्षाकृत अनुकूल होता है और अधिकांश सफल अभियान इसी महीने में पूरे किए जाते हैं। यही कारण है कि एवरेस्ट से जुड़े कई विश्व रिकॉर्ड भी मई में ही बने हैं।

माउंट एवरेस्ट को फतह करना पर्वतारोहियों के लिए जहां रहस्य और रोमांच से भरपूर है, वहीं दीगर सच यह भी है कि यह एक ऐसा सफर है, जहां मौत हर कदम पर बाहें फैलाए खड़ी रहती है और इस सफर के लिए फौलाद जैसे कलेजे की जरूरत होती है। बस मामूली-सी चूक हुई और जिंदगी खत्म।

हिमालय पर इस सबसे ऊंचे शिखर का पता 1852 में लगा था। तब भारत में जॉर्ज एवरेस्ट गवर्नर जनरल थे और इस शिखर का नामकरण उन्हीं के नाम पर किया गया। 1921 में पहली बार माउंट एवरेस्ट का रास्ता खोजा गया और तभी से एवरेस्ट फतह करने के प्रयास निरन्तर किए जाते रहे हैं। 1922 में जॉर्ज मैलोरी, एडवर्ड नॉर्टन तथा हॉवर्ड सोमेरवेल ने पहली बार एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया और वे 8 हजार मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने में सफल भी हुए। 1924 में जॉर्ज मैलोरी तथा एंड्रू इरविन ने एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया किन्तु दोनों बर्फीले पहाड़ों में कहीं रहस्यमयी तरीके से गायब हो गए। 29 मई 1953 को पहली बार जब न्यूजीलैंड के सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने एवरेस्ट को फतेह किया तो पूरी दुनिया में खलबली मच गई क्योंकि उससे पहले भी इसकी कोशिशें तो बहुत हुई किन्तु सफल कोई नहीं हुआ।

पृथ्वी की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट तक पहुंचने के लिए पर्वतारोहियों को अनेक तरह की बाधाओं को पार करना पड़ता है। करीब 8848 मीटर ऊंचे इस शिखर की खड़ी चढ़ाई के दौरान रास्ते में कई ऐसे दर्रे आते हैं, जिनमें से कुछ की गहराई करीब 300-400 फुट है और ऐसे दर्रों को प्रायः सीढ़ियां जोड़कर पार किया जाता है, जो बेहद डरावना और मुश्किलों भरा काम है क्योंकि इन दरारों के बीच जो भी चीज गिरी, वो कभी वापस नहीं लौट सकती। वैसे भी एकबार अगर इन दर्रों को पार करके निकल भी गए तो लौटते समय पुनः इन्हीं दर्रों को पार करना पड़ता है। यह चढ़ाई इतनी खतरनाक होती है कि हवा के एक तेज झोंके के साथ पर्वतारोही संतुलन खोकर गहरी खाई में दफन हो सकता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बच्चों को सिर्फ पढ़ाना ही काफी नहीं उन्हें समझिये और समझाइये भी

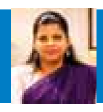

डॉ निवेदिता शर्मा
मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष

भोपाल की 17 वर्षीय ओजस्वी ने जब ये शब्द 'सॉरी मम्मी-पापा... मैं अच्छी बेटी नहीं बन सकी...' लिखे होंगे, तब शायद उसकी आंखों में आंसू रहे होंगे, मन में डर रहा होगा और दिल में एक ऐसा भाव, जिसे वह किसी से कह नहीं पाई।

सोचिए... एक बच्ची, जो अपने माता-पिता की दुनिया थी, जिसने बचपन से उनके स्नेह में पलकर सपने देखे, आखिर उसके मन में ऐसा कौन-सा तूफान उठा होगा कि उसे जीवन छोड़ देना आसान लगा? यह घटना सिर्फ भोपाल की नहीं है। यह हर उस घर की कहानी है जहां बच्चे मुस्कुराते तो हैं, किंतु भीतर से टूट रहे होते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि कई बच्चों की चुप्पी दिखाई नहीं देती। आज जरूरत इस बात की है कि हम उनसे यह पूछें- 'तुम ठीक तो हो ना?' सच कहा जाए तो बच्चे कमजोर नहीं होते, बस अकेले पड़ जाते हैं, अक्सर हम बड़े लोग सोचते हैं कि बच्चों की जिंदगी में आखिर तनाव ही क्या है? ना कमाने की चिंता, ना घर चलाने की जिम्मेदारी, किंतु सच मानिए, आज का बच्चा भीतर से जितना दबाव झेल रहा है, शायद उतना पहले कभी नहीं था।उसके आसपास बनी मोबाइल और गेम की दुनिया ने जैसे उसके जीवंत संबंध ही उससे छीन लिए हैं। अधि?कांश परिवार भी वो व्यनवस्थाब नहीं कर पा रहे जिसमें बच्चेच को मन और तन की सुदृढ़ता मिले। आज 13 से 17 साल की उम्र में हर चौथा बच्चा डिप्रेशन जैसी मानसिक समस्या से गुजर रहा है। यह आंकड़ा डराता है। क्योंकि इसका मतलब है कि हमारे आसपास बैठे चार बच्चों में से एक बच्चा शायद हर रात अकेले रोता हो, हर दिन खुद को दूसरों से कम समझता हो या हर पल किसी डर में जी रहा हो। किशोरावस्था वह उम्र होती है जहां बच्चे खुद को साबित करने की कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि यदि वे असफल हुए तो लोग उन्हें प्यार करना छोड़ देंगे। छोटी-सी डांट भी उन्हें यह महसूस करा सकती है कि वे 'अच्छे बच्चे' नहीं हैं। यही वजह है कि कई बार हम जो बात गुस्से में कह देते हैं, वही बात बच्चे के दिल में तीर की तरह उतर जाती है। सोचिए... जब बच्चा उदास होकर कमरे में चला जाए, खाना छोड़ दे, कम बोलने लगे या अकेला रहने लगे, तब क्या हम उसके पास बैठते हैं? क्या हम उससे पूछते हैं; 'क्या बात है बेटा? तुम परेशान लग रहे हो...' अक्सर हम कहते हैं, 'इतनी-सी बात पर रोते हो?' 'हमारे समय में ऐसा नहीं होता था।' 'मोबाइल छोड़ो, सब ठीक हो जाएगा।' लेकिन सच यह है कि बच्चे समाधान से पहले अपनापन चाहते हैं। उन्हें सलाह से पहले सुनने वाला चाहिए।

नंबरों की दौड़ ने बचपन छीन लिया: आज हर बच्चा एक प्रतियोगिता में भाग रहा है। स्कूल की रैंक, कोचिंग का दबाव, प्रतियोगी परीक्षाएं, करियर की चिंता, ऐसा लगता है जैसे बच्चों को बचपन से ही यह समझा दिया गया हो कि जिंदगी एक रेस है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में छात्र आत्महत्या के मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। मोबाइल के दौर में बच्चे सबसे ज्यादा अकेले हैं। घर में सब साथ बैठे होते हैं, लेकिन बातचीत गायब हो चुकी है। माता-पिता मोबाइल में व्यस्त हैं, बच्चे स्क्रीन में खोए हैं और भावनाएं धीरे-धीरे मौन होती जा रही हैं। सोशल मीडिया ने बच्चों को तुलना करना सिखा दिया है। कोई ज्यादा सुंदर दिखता है, कोई ज्यादा अमीर, कोई ज्यादा सफल। ऐसे में बच्चा अपने जीवन को कमतर समझने लगता है। ऐसे में कई बच्चे साइबर बुलिंग का शिकार होते हैं। कई बच्चों को बॉडी शेमिंग झेलनी पड़ती है, किंतु वे डर के कारण किसी से कुछ नहीं कहते। बच्चे बाहर से सामान्य दिखते हैं, लेकिन अंदर से बिखर चुके होते हैं। यही सबसे खतरनाक स्थिति है।

बच्चों को सलाह नहीं, भरोसा चाहिए: हर बच्चा चाहता है कि उसके जीवन में कोई ऐसा हो जिसके सामने वह बिना डरे रो सके। जब बच्चा गलती करे, तब उसे यह डर नहीं होना चाहिए कि अब मम्मी-पापा प्यार नहीं करेंगे। उसे यह भरोसा होना चाहिए कि डांट पड़ेगी, लेकिन साथ नहीं छूटेगा। बच्चों को यह मत सिखाइए कि 'लोग क्या कहेंगे?' उन्हें यह सिखाइए कि 'मुश्किल समय में बात करना कमजोरी नहीं, हिम्मत है।' यदि बच्चा उदास है, गुस्से में रहता है, अचानक चुप हो गया है या बार-बार खुद को बेकार कहता है, तो इसे नजरअंदाज मत कीजिए। यह मदद की पुकार हो सकती है।

माता-पिता को थोड़ा रुककर खुद से सवाल करें: कभी-कभी हमें खुद से पूछना चाहिए कि क्या हमने अपने बच्चे को आखिरी बार बिना किसी कारण गले कब लगाया था? क्या हमने उसकी बातें बिना टोके सुनी थीं?क्या हमने कभी उससे कहा- 'तुम जैसे भी हो, हमारे लिए बहुत खास हो...' बच्चों को महंगे स्कूल, कोचिंग और मोबाइल से ज्यादा जरूरत अपने माता-पिता के समय और स्नेह की होती है।

मानसिक स्वास्थ्य को समझना समय की मांग है: आज मानसिक स्वास्थ्य कोई 'फैशन' या 'बहाना' नहीं है। यह एक वास्तविक समस्या है। जैसे शरीर बीमार होता है, वैसे ही मन भी बीमार हो सकता है। यदि किसी बच्चे को बुखार हो तो हम तुरंत डॉक्टर के पास जाते हैं, किंतु जब बच्चा लगातार उदास रहता है, तब हम कहते हैं- 'सब ठीक हो जाएगा...' नहीं, हर बार सब अपने आप ठीक नहीं होता। कई बार विशेषज्ञ की मदद जरूरी होती है। हमें बच्चों को यह समझाना होगा कि मदद मांगना कमजोरी नहीं है। रो लेना, अपनी परेशानी बताना और काउंसलर से बात करना बिल्कुल सामान्य बात है।

हमें कैसी पीढ़ी चाहिए?: हमें सिर्फ सफल बच्चे नहीं, खुश बच्चे चाहिए। ऐसे बच्चे जो अपने मन की बात कह सकें, जो असफलता से डरें नहीं और जिन्हें यह भरोसा हो कि उनका परिवार हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा है। आज रात जब आपका बच्चा आपके सामने आए, तो उससे सिर्फ पढ़ाई की बात मत कीजिए। उसके सिर पर हाथ रखिए और पूछिए- 'सच-सच बताना... तुम खुश तो हो ना?' क्योंकि कई बार एक संवेदनशील बातचीत वह कर जाती है, जो बड़ी-बड़ी सीख और डांट भी नहीं कर पाती। फिर भी यदि कभी किसी बच्चे या युवा के मन में आत्महत्या का विचार आए, तो तुरंत सहायता लें। मध्यप्रदेश में बाल अधिकार संरक्षण आयोग सीपीसीआर एक्टक 2007 के अंतर्गत बाल अधिकारों की सुरक्षा हेतु निरंतर आप बच्चों के हित, सर्वोच्च देखभाल और चिंता के लिए ही कार्यरत है। यदि कहीं भी लगता है, कुछ भी गलत हो रहा है, यदि कहीं अंदर अवसाद या नकारात्म कता स्वतयं पर हावी हो रही है तो बाल आयोग से सीधे संपर्क किया जा सकता है। प्रदेश में माननीय मुख्योमंत्री डॉ. मोहन यादवजी ने अनेक योजनाएं आज मप्र के बच्चोंत के हित में चलायी हुई हैं, बच्चों और उनके अभिभावक दोनों ही अपने अनुरूप उन योजनाओं का लाभ लेने आगे आ सकते हैं। यदि कहीं कोई कठिनाई आ रही है तो मप्र बाल संरक्षण आयोग से सीधे https://www.cpcr.mp.gov.in/ पर संपर्क कर सकते हैं। हमारी वेबसाइट पर अनेक बातें एवं सुविधाओं के बारे में जानकारियां दी गई हैं। आप आयोग के ई-मेल mpcpcr@gmail.com पर दोस्ते निवेदिता के नाम पत्र लिख सकते हैं। दूरभाष 0755-2559900/03/04/05/06 पर संपर्क कर सकते हैं। वेबसाइट पर दिए गए अध्यनक्ष एवं सदस्यों के नंबरों पर सीधे फोन लगा सकते हैं। याद रखिए, हर बच्चा अनमोल है और हर जीवन बचाया जा सकता है। फिर कभी कोई -'ओजस्वी' गले में फंदा न डाले, हम सभी के प्रयास यही होने चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

गर्मियों में बार-बार ओआरएस पीने से बीपी बढ़ने और किडनी पर दबाव का भी खतरा

गर्मियों में तेज धूप और पसीने की वजह से लोगों को थकान और कमजोरी महसूस होने लगती है। इस दौरान शरीर में पानी की कमी को दूर करने के लिए ज्यादातर लोग ओआरएस घोल लेना शुरू कर देते हैं। डॉक्टर भी गर्मियों के दौरान होने वाली पानी और इलेक्ट्रॉलाइट्स की कमी को दूर करने के लिए इसकी सलाह देते हैं। ऐसे में कुछ लोगों को यह एक तरह का एनर्जी ड्रिंक लगता है। जबकि, बार-बार ओआरएस का घोल पीने से शरीर को फायदे मिलने की जगह नुकसान भी हो सकते हैं। अगर, निर्धारित मात्रा से ज्यादा इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन किया जाए तो यह आपके शरीर में मौजूद मिनरल्स के स्तर को प्रभावित कर सकता है।

डॉक्टर बिना किसी मेडिकल कंडीशन (उल्टी, दस्त) के बार-बार ORS पीने की सलाह नहीं देते हैं। डॉक्टर प्रांजित भौमिक बताते हैं कि ओआरएस मुख्य रूप से डिहाइड्रेशन और इलेक्ट्रॉलाइट्स के संतुलन को ठीक करने के लिए बनाया गया है। लेकिन, यदि कोई व्यक्ति इसको बार-बार पीता है तो इससे शरीर के इलेक्ट्रॉलाइट्स का संतुलन बिगड़ सकता है। साथ ही, सेहत से जुड़ी अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। इसमें एक निश्चित मात्रा में सोडियम और पोटेशियम मौजूद होता है। जब आप इसे बार-बार पीते हैं तो इससे इलेक्ट्रोलाइट्स के निर्धारित स्तर में बदलाव हो सकता है, जो सेहत से जुड़ी समस्याएं पैदा कर सकता है। ओआरएस के अंदर सोडियम (नमक) की मात्रा मौजूद होती है। जब आप इसे बार-बार पीते हैं तो इससे शरीर में सोडियम की मात्रा अधिक हो सकती है, जो बीपी के स्तर को बढ़ा सकती है। जिन लोगों को हाई बीपी की समस्या होती है उनको इस्सेलेते समय सावधानी बरतनी चाहिए। दिन में बार-बार पीने से कुछ लोगों को पेट फूलने, बेचैनी महसूस होने, जी मिचलाने जैसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। किडनी हमारे शरीर में इलेक्ट्रॉलाइट्स के स्तर को संतुलित करने का काम करती है। जब आप बार-बार ओआरएस पीते हैं तो इससे इलेक्ट्रॉलाइट्स की अधिक मात्रा को फिल्टर करने के लिए किडनी को पहले की अपेक्षा ज्यादा कार्य करना पड़ता है। ओआरएस में ग्लूकोज मौजूद होता है। इसे बार-बार पीने से शरीर में ब्लड शुगर का स्तर बढ़ सकता है। डायबिटीज के मरीजों को ओआरएस निश्चित मात्रा में ही पीना चाहिए।

निशाना

मौत अपनी न जिंदगी अपनी..!

धर्मराज देशराज

मौत अपनी न ज़िन्दगी अपनी
हाय, कमबख्त बेबसी अपनी।
भूल जाए भले जहां हमको
बस रहे याद सादगी अपनी।
लोग मरते हैं लालो- गौहर पर
मुझको जीना है ज़िन्दगी अपनी।
इश्क़ अपने ख़ुदा से यूँ कर लें
हर जुबां पर हो आशिक़ी अपनी।
चाहते हैं भले ही मर जाएँ
पर रहे जग में शायरी अपनी।
कांच जैसी ख़ुशी में क्यूँ दे दूँ
ग़म की दौलत है कीमती अपनी।
ग़र अचानक 'धरम' चला जाऊँ
लोग समझेंगे दिल्लगी अपनी।

यूजर्स गाइड

दो फोन पर चला सकते हैं एक यूपीआई अकाउंट, पूरी तरह वैध और सुरक्षित

अगर आप दो फोन चलाते हैं, तो भी आप यूपीआई पेमेंट एक ही फोन से कर पाते होंगे। पेमेंट ऐप्स सुरक्षा की दृष्टि से एक ही फोन पर चल सकते हैं। हालांकि इनके एक फीचर को इस्तेमाल करके आप एक ही अकाउंट को दो फोन पर चला सकते हैं। दो फोन इस्तेमाल करने वालों के साथ एक समस्या आम होती है कि वे UPI अकाउंट दोनों फोन पर ऑपरेट नहीं कर पाते। आमतौर पर UPI पेमेंट करने वाले ऐप्स सुरक्षा की दृष्टि से इस तरह बनाए जाते हैं कि उन्हें उसी फोन पर चलाया जा सके, जिसमें अकाउंट से जुड़े नंबर की सिम हो। कहने का मतलब है कि ये ऐप्स सिम से जुड़ी होती हैं और फोन में सिम ना हो तो UPI ऐप भी चलना बंद कर देती है।

ऐसे में जो लोग दो फोन चलाते हैं, उनके लिए हमेशा उस फोन को साथ रखना जरूरी हो जाता है जिसमें UPI ऐप काम कर रहा होता है। हालांकि एक ट्रिक है जिसकी मदद से आप दोनों फोन पर एक UPI अकाउंट चला सकते हैं। गौर करने वाली बात है कि ट्रिक पूरी तरह से सुरक्षित है और आप निश्चिंत होकर इसे अपना सकते हैं। आप UPI ऐप्स में मिलने वाला Circle फीचर इस्तेमाल कर सकते हैं। PhonePe ऐप में इसे Pocket Money नाम दिया गया है। हालांकि दोनों फीचर एक ही हैं इसकी मदद से आप मुख्य अकाउंट से दूसरे अकाउंट को जैसे कि आपके माता-पिता या फिर बच्चे पेमेंट करने का अधिकार दे सकते हैं। ऐसे में दूसरा अकाउंट आपका खुद का भी हो सकता है, जिसे मुख्य अकाउंट में से पेमेंट करने का अधिकार देकर आप एक ही UPI अकाउंट को दो फोन पर चला सकते हैं।

कैसे करें सेटअप: UPI सर्कल या कुछ ऐप्स पर UPI Pocket Money फीचर को सेटअप करने के लिए आपको अपने मुख्य फोन पर पेमेंट ऐप को खोलना होगा।

इसके बाद ऐप में Circle या Pocket Money सर्च करें। रिजल्ट पर क्लिक करके Invite Dependent पर क्लिक करें और उस नंबर को सर्च करें जिसे आप सर्कल फीचर में शामिल करना चाहते हैं। अब सामने वाले की UPI ID या QR कोड को स्कैन करके दूसरे अकाउंट को संभालने वाले शख्स का आधार नंबर दर्ज करें। अगर आप खुद के दूसरे अकाउंट को सेटअप कर रहे हैं, तो अपना आधार नंबर डालें। इसके बाद तय करें कि आप दूसरे अकाउंट से होने वाले हर पेमेंट को खुद अनुमति देंगे या फिर एक लिमिट तय करेंगे जिसमें रहते हुए दूसरा अकाउंट खुद सभी पेमेंट्स कर पाए।अपने अनुसार सही ऑप्शन चुनकर दूसरे अकाउंट को अपने सर्कल में शामिल कर लें। इसके बाद आप दोनों ही अकाउंट से पेमेंट कर पाएंगे।

ध्यान रखने वाली बातें: दो फोन पर एक UPI अकाउंट चलाने का यह तरीका पूरी तरह से वैध और सुरक्षित है। आप अपने दूसरे फोन पर एक तय लिमिट में ही पेमेंट कर पाएंगे। इसके लिए आप ज्यादा से ज्यादा 15,000 रुपये की लिमिट सेट कर सकते हैं। यह फीचर मुख्य रूप से आप पर निर्भर लोगों जैसे कि माता-पिता या बच्चों को UPI पेमेंट करने में सक्षम बनाने के लिए पेश किया गया था। हालांकि, इसे इस्तेमाल करते हुए आप एक साथ दो फोन पर एक ही UPI अकाउंट चला सकते हैं।

वायरल कंटेंट

ऑफिस का टेंशन न वर्क प्रेशर, सोते रहो और कमाओ पैसे, इंटरनेट पर छाया अनोखा जॉब!

अगर किसी को यह कहा जाए कि उसे सिर्फ सोने के पैसे मिलेंगे, तो शायद बहुत से लोग बिना कुछ सोचे तुरंत उस नौकरी के लिए तैयार हो जाएं। आमतौर पर लोग दिन-रात मेहनत करके पैसे कमाते हैं, लेकिन इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने लोगों को पूरी तरह हैरान कर दिया है। वीडियो में दावा किया जा रहा है कि इंडोनेशिया में एक शख्स को सिर्फ सोने के लिए पैसे दिए जा रहे हैं। सबसे मजेदार बात यह है कि वह किसी होटल या आलीशान कमरे में नहीं, बल्कि शहर की सड़कों पर दौड़ती एक वैन के अंदर आराम से सोता नजर आ रहा है। पहली नजर में यह वैन बिल्कुल सामान्य गाड़ी जैसी दिखाई देती है, लेकिन जैसे ही कैमरा उसके अंदर का नजारा दिखाता है, लोग हैरान रह जाते हैं। यही वजह है कि यह अनोखा वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में शहर की सड़क पर चलती एक खास तरह की वैन दिखाई देती है। बाहर से देखने पर यह आम वैन जैसी लगती है, लेकिन अंदर का दृश्य लोगों का ध्यान तुरंत अपनी ओर खींच लेता है। आमतौर पर वैन के अंदर सीटें लगी होती हैं, जहां लोग बैठकर सफर करते हैं। लेकिन इस वैन में सीटों की जगह एक आरामदायक बिस्तर लगाया गया था। उस बिस्तर पर एक शख्स बड़े आराम से गहरी नींद लेता नजर आता है। सड़क पर दौड़ती गाड़ियों और शोर-शराबे के बीच किसी को इतनी शांति से सोते देख लोग भी हैरान रह गए। वीडियो के साथ दावा किया जा रहा है कि यह व्यक्ति रोज करीब नौ घंटे इसी तरह सोने के लिए पैसे लेता है।

मैट्रेस कंपनी का अनोखा प्रचार: बताया जा रहा है कि यह पूरा कैंपेन इंडोनेशिया की मैट्रेस कंपनी 'डोमी बेड' का हिस्सा है। कंपनी अपने मैट्रेस की आरामदायक क्वालिटी दिखाने के लिए यह अनोखा तरीका लेकर आई। कंपनी का मकसद लोगों को यह बताना था कि उनका मैट्रेस इतना आरामदायक है कि चलती गाड़ी में भी इंसान चैन की नींद सो सकता है। यही यूनिक आइडिया अब इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन गया है। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। वीडियो वायरल होने के बाद लोग इस पर जमकर मजेदार कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने मजाकिया अंदाज में लिखा- 'इस नौकरी के लिए तो मैं अभी तैयार हूं।' दूसरे यूजर ने लिखा- 'हायर मी... मुझे भी यही काम चाहिए।' कुछ लोगों ने इसे 'दुनिया की सबसे आरामदायक नौकरी' बताया, तो कई यूजर्स कंपनी के इस क्रिएटिव आइडिया की तारीफ करते नजर आए।

सड़क रेस्टोरेशन व नर्मदा लोक निर्माण कार्यों का निरीक्षण

अतिक्रमण हटाएं और बारिश से पहले सीवेज कार्य शीघ्र पूर्ण करें

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने गुरुवार को शहर के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण कर सड़क रेस्टोरेशन एवं नर्मदा लोक निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री मिश्रा सुबह एकता चौक पहुंचे और वहां से मोरछली चौक तक पैदल भ्रमण करते हुए सड़क रेस्टोरेशन कार्यों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मॉनिटरिंग के दौरान मोरछली चौक पर चल रहे सीवरेज कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही नगर पालिका के सीएमओ को अतिक्रमण हटाने तथा पार्किंग व्यवस्था सुव्यवस्थित रखने का निर्देश देते हुए कहा कि शहर में यातायात सुचारू बनाए रखना प्राथमिकता होनी चाहिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि वर्षा आरंभ होने से पहले सभी रेस्टोरेशन कार्य समयबद्ध तरीके से निपटाए जाएं।

निरीक्षण के बाद कलेक्टर ने पर्यटन घाट पर नर्मदा लोक के निर्माण कार्यों का भी अवलोकन किया। वहां निर्माण कार्य बंद पाए जाने पर उन्होंने नगर पालिका सीएमओ से कारण पूछा और निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निरंतर जारी रहे तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार के अनावश्यक अंतराल बर्दाश्त नहीं किए जाएं। घाट क्षेत्र में आवारा पशुओं की समस्या का भी संज्ञान लेते हुए कलेक्टर ने हाका दल के माध्यम से ऐसे पशुओं को उचित गौशालाओं में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। साथ ही घाट की साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था सुचारू बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र प्रताप सिंह, एसडीएम जय सोलंकी, नगर पालिका सीएमओ हेमेश्वरी पटले एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप कार्यों को तेज करने का आश्वासन दिया।

न्यूज विंडो

कलेक्टर ने हस्तक्षेप कर मजदूरों से वसूले 60 हजार रुपए वापस कराए

नर्मदापुरम। कलेक्टर सोमेश मिश्रा की त्वरित और सख्त कार्रवाई के बाद निजी अस्पताल ने मजदूरों से इलाज के नाम पर ली गई करीब 60 हजार रुपए की राशि वापस कर दी। यह कार्रवाई तेंदूपत्ता तोड़ने गए मजदूरों की शिकायत पर की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तेंदूपत्ता तोड़ने के काम पर जा रहे छह मजदूर पिछले दिनों सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। किसी की सलाह पर वे सभी अनंता अस्पताल में भर्ती हुए। बाद में मजदूरों ने कलेक्टर कार्यालय में लिखित शिकायत देकर बताया कि अस्पताल ने उनके इलाज के नाम पर मनमाने ढंग से शुल्क वसूल किया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने मामले की गंभीरता देखते हुए डिप्टी कलेक्टर व प्रभारी अधिकारी स्वास्थ्य डा. बबीता राठौर को त्वरित जांच के निर्देश दिए। डा. राठौर तुरंत अनंता अस्पताल पहुंचीं और अस्पताल प्रबंधन से समन्वय कर मरीजों द्वारा जमा कराई गई राशि वापस दिलवाई। कलेक्टर के हस्तक्षेप के बाद छह मजदूरों को कुल मिलाकर लगभग 60,150 रुपए लौटाए गए। वापसी की गई रकम इस प्रकार है- प्रमोद सेन को 9,300 रुपए, हीरा लोधी को 9,200 रुपए, सुशांत लोधी को 6,650 रुपए, मेघराज को 5,000 रुपए, रघुवीर लोधी को 20,000 रुपए और रामाजा सेन को 7,000 रुपए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए हैं कि सभी मजदूरों का इलाज पीएम राहत योजना के अंतर्गत कराया जाए। मजदूरों ने इलाज की राशि वापस मिलने पर प्रशासन और कलेक्टर का आभार व्यक्त किया। डिप्टी कलेक्टर डा. बबीता राठौर ने कहा कि भविष्य में इसी तरह की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी और जरूरतमंदों को सरकारी योजनाओं के तहत समुचित स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जाएगी।

सिवनी में मजदूर की खेत में काम करते समय करंट लगने से मौत

सिवनी। जिले के किंदरई थाना क्षेत्र के धूमामाल गांव में एक मजदूर की खेत के कुएं में काम करते समय करंट लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, ग्राम धूमामाल निवासी 38 वर्षीय मुकेश तेकाम पुत्र अंतूलाल तेकाम खेत के कुएं में मजदूरी कर रहे थे। बताया गया है कि कुएं में लगी पानी की मोटर का विद्युत कनेक्शन जोड़ते समय अचानक बिजली प्रवाहित हो गई, जिससे मुकेश तेकाम करंट की चपेट में आ गए। करंट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।ग्रामीणों ने खेतों में उपयोग होने वाले विद्युत उपकरणों की नियमित जांच और सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है, ताकि भविष्य में हादसों को रोका जा सके।

पांदुर्णा में किसान के खेत में बने कोठे में आग लगने से गाय जिंदा जली

पांढुर्णा। पांढुर्णा तहसील के बड़ चिचोली ढाना रोड स्थित वाघाई क्षेत्र में किसान के खेत में बने कोठे में आग लग गई। घटना में एक गाय जिंदा जल गई और खेती और पशुपालन में उपयोग होने वाली सामग्री भी जलकर राख हो गई। जानकारी के अनुसार, किसान मदन दंडारे के खेत में बने इस कोठे में देर रात अचानक आग भड़क उठी। आग लगने के समय कोठे में मवेशियों का चारा, सिंचाई पाइप और अन्य कृषि उपकरण रखे हुए थे।

सियलपुर में दो लोगों ने लगाई फांसी, मौत

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

पथरिया थाने के ग्राम सियलपुर में गुरूवार सुबह नवविवाहिता ने फांसी लगा ली। मृतका के मायके पक्ष के लोगों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। सियलपुर में रहने वाले अनिल कुशवाह की पत्नी साक्षी कुशवाह ने गुरूवार सुबह करीब 8 बजे घर पर साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। अनिल ने बताया कि सुबह मैं घर पर ही जीने के नीचे बैठा था। सिरोंज जाना था इस कारण पत्नी साक्षी से खाना जल्दी बनाने के लिए कहा था। वह ऊपर कमरे में चली गई। 10-15 मिनट बाद जब मैं ऊपर गया तो साक्षी साड़ी के बने फंदे पर लटकी थी और छटपटा रही थी। मैने तुरंत उसे उतारा और प्रायवेट एंबूलेंस बुलाकर अस्पताल लेकर आया। यहां पर डॉक्टरों ने बताया कि उसकी मौत हो गई है। अनिल का कहना था शादी के बाद से ही साक्षी अक्सर फांसी लगाने का कहती थी लेकिन इसकी वजह नहीं बताती थी। मैने उसे बहुत समझाया भी लेकिन उसने फांसी लगा ही ली। कुछ समय पहले वह गर्भवती भी हो गई लेकिन वह बच्चा नहीं चाहती थी। साक्षी का मायका मुगलसराय के समीप स्थित ग्राम छीपोन में है। जानकारी लगने पर उसके माता-पिता भी सिरोंज के राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय पहुंच गए थे। यहां साक्षी का पीएम हो रहा था। पिता कैलाश कुशवाह ने बताया कि बेटी के विवाह को अभी एक साल भी नहीं हुआ है। उसने बताया था कि ससुराल वाले उसके साथ मारपीट करते हैं। बीच में तलाक की बात भी चली थी लेकिन उसने यह कहकर मना कर दिया कि मेरी शादी जहां हुई है।

पेयजल संकट से परेशान ग्रामीणों ने चुनावों के बहिष्कार का लिया निर्णय

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

नरसिंहपुर जिले के बिजोरा गांव में पेयजल संकट से परेशान ग्रामीणों ने आगामी सभी चुनावों के बहिष्कार का सामूहिक निर्णय लिया है। ग्राम सभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि जब तक गांव में नर्मदा का जल नहीं पहुंचता, तब तक ग्रामीण पंचायत से लेकर लोकसभा तक किसी भी चुनाव में मतदान नहीं करेंगे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि समस्या का स्थायी समाधान होने तक गांव में किसी भी राजनीतिक दल के नेता का प्रवेश वर्जित रहेगा। ग्रामवासियों ने तय किया है कि वे किसी भी निजी या सार्वजनिक कार्यक्रम में राजनीतिक हस्तियों को आमंत्रित नहीं करेंगे।

कृषकों की सुविधाओं, तौल व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों को लेकर की चर्चा

एसडीएम ने कृषि उपज मंडी का किया निरीक्षण व्यापारियों व हम्मालों को दिए आवश्यक निर्देश

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

कृषि उपज मंडी में एसडीएम एवं भारसाधक अधिकारी द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान व्यापारियों, कृषकों एवं हम्माल संगठन के प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान मंडी प्रांगण में कृषकों, हम्मालों, तुलावटियों एवं अन्य आगंतुकों के लिए पर्याप्त ठंडे पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी धर्मकांटों पर डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाने के लिए कहा गया, जिसमें संबंधित व्यापारी का नाम, तौल कांटे का क्रमांक एवं रेट लिस्ट प्रदर्शित रहे। एसडीएम ने निर्देशित किया कि सभी तौल कांटों पर लगभग समान रूप से तौल कार्य कराया जाए, ताकि किसी एक धर्मकांटे पर अधिक भार न पड़े और तौल कार्य सुचारू रूप से चलता रहे। धर्मकांटों पर छाया की व्यवस्था के लिए छोटे शेड बनवाने के भी निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान व्यापारियों को आवंटित स्थल से अधिक जगह पर अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत दी गई। साथ ही सभी व्यापारी, हम्माल, तुलावट एवं कृषक आपसी सहयोग और समन्वय के साथ कार्य करें, इस पर जोर दिया गया। मंडी प्रांगण के पीछे स्थित न्यू प्रांगण में सुरक्षा एवं निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा वर्तमान में बंद पड़े कैमरों का दुरुस्तीकरण कराने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा सभी धर्मकांटों पर तौल कार्य के दौरान व्यापारियों के प्रतिनिधियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

'नाना गुरु सरकार' पर जानलेवा हमला

काल भैरव धाम में दो पक्षों में विवाद, पांच लोग घायल

रायसेन। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के रायसेन में सांचेत स्थित प्रसिद्ध कालभैरव धाम में जमकर बवाल हुआ है। धाम में हुए विवाद में 5 लोग घायल हुए हैं, जिनमें धाम के प्रमुख नाना गुरु सरकार (नाना साहब) शामिल हैं। नाना साहब को गंभीर हालत में भोपाल रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि धाम में लगने वाली भीड़ को लेकर पड़ोसियों से काफी समय से विवाद चल रहा था और इसी बात को लेकर विवाद बढ़ा और मारपीट की घटना हुई है।

रायसेन जिले के सांचेत में स्थित कालभैरव धाम प्रमुख नाना सरकार (नाना साहब) चमत्कारिक रूप से शराब छुड़ाते हैं और शराब की लत से पीड़ित हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ धाम में रोजाना लगती है। बताया जा रहा है कि धाम में लगने वाली भीड़ के कारण धाम के आस पड़ोस में रहने वाले लोगों को काफी परेशानी होती है और इसी के कारण दोनों पक्षों में विवाद की स्थिति बनी रहती है। बीती रात एक बार फिर इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया और मारपीट हो गई। दोनों तरफ से लाठी-डंडे और धारदार हथियार से हमला किया गया। कालभैरव धाम में हुए विवाद की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया। घटना में दोनों पक्षों के 5 लोग घायल हुए हैं जिनमें से धाम प्रमुख नाना साहेब की स्थिति गंभीर बनी हुई है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर किया गया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच में ले लिया है।

रायसेन से 25 किमी दूर है कालभैरव धाम

बता दें कि कालभैरव धाम रायसेन जिले के सांचेत गांव में है। सांचेत गांव जिला मुख्यालय से करीब 25 किमी की दूरी पर है। कालभैरव धाम के पीठाधीश्वर नाना गुरु सरकार चमत्कारिक रुप से शराब छुड़ाने के लिए प्रसिद्ध हैं और इसीलिए यहां पर रोजाना बड़ी संख्या में शराब की लत छुड़ाने के लिए पहुंचते हैं। कालभैरव धाम में हर शनिवार को दोपहर 12 बजे से विशेष दरबार लगता है। दरबार में भी बड़ी संख्या में लोग रायसेन व आसपास के जिलों से पहुंचते हैं।

65 कट्टे गेहूं चोरी का खुलासा, छह गिरफ्तार, दो फरार

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

देहात थाना पुलिस ने कुलामड़ी बायपास स्थित शिवम वेयर हाउस से हुई गेहूं चोरी का खुलासा करते हुए छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जांच में आरोपितों के कब्जे से चोरी में उपयोग की गई सोनालिका ट्रैक्टर-ट्राली, एक बाइक, पांच मोबाइल फोन, नकद तथा लोहे की राड व सब्बल सहित कुल करीब छह लाख रुपये का माल जब्त किया गया है। अभी भी दो आरोपी फरार हैं, जिनकी खोज जारी है।

शिकायतकर्ता मनीष नवलानी, निवासी शांति नगर, ने 25 मई को देहात थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके कुलामड़ी बायपास पर स्थित वेयर हाउस के गोदाम नंबर-1 का शटर तोड़कर अज्ञात बदमाशों ने 65 कट्टे गेहूं चोरी कर लिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा एस. थोटा के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन व एसडीओपी जितेंद्र कुमार पाठक के निर्देश पर देहात थाना पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू की। जांच में पुलिस ने करीब 200 सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों पर नजर रखी। मुखबिर की सूचना पर जुमेराती निवासी शुभम मालवीय को हिरासत में लेकर पूछताछ की गयी, जिसमें उसने अपने साथियों के साथ चोरी करना स्वीकार कर लिया। इसके बाद रैसलपुर व अन्य स्थानों पर दबिश देकर अर्पित सिंह सोलंकी, अरुण मालवीय, विक्रम उर्फ सन्नाटा, राहुल उर्फ लालू और सुनील कीर को गिरफ्तार किया गया। प्रेसवार्ता में एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने बताया कि पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि मुख्य आरोपित अर्पित सिंह सोलंकी व अरुण मालवीय ने घटना से एक दिन पहले वेयर हाउस की रेकी की थी। चोरी के लिए निमसाड़िया के सुनील कीर के ट्रैक्टर-ट्राली का उपयोग किया गया।

चोरी किया गया गेहूं जुमेराती क्षेत्र में एक मकान में छिपाकर बारदानों से निकाला गया और बाद में दूसरी प्लास्टिक बोरियों में भरकर अलग-अलग व्यापारियों को बेच दिया गया। पुलिस ने आरोपितों से गेहूं बिक्री की नकद राशि 32,500 रुपये, सोनालिका ट्रैक्टर-ट्राली, एक बाइक, पांच मोबाइल और चोरी में प्रयुक्त सब्बल जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपित अर्पित सिंह सोलंकी पहले भी वेयर हाउस चोरी के मामलों में पकड़ा जा चुका है। बाकी मामले में शामिल फरार दोनों आरोपियों की धरपकड़ के लिए टीमें सक्रिय रूप से छापेमारी कर रही हैं। आगे की कानूनी कार्रवाई व आरोप पत्र दायर किया जाएगा। निरीक्षक सौरभ पाण्डेय थाना प्रभारी देहात नर्मदापुरम, उप निरीक्षक अरविंद बेले ,प्रधान आरक्षक मनोज निमोदा , ललित नारे ,नवीन दुबे ,आरक्षक नर्मदा प्रसाद ,जितेंद्र नरवरे, प्रेमप्रवीण बड़ोदे ,सतीराम उइके , महेंद्र सिंह धुर्वे , दीपेश सोलंकी (सायबर सैल) की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

डिंडोरी जिला जल संचय अभियान में देशभर में दूसरे स्थान पर आया

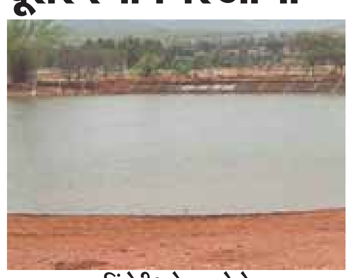

डिंडोरी। दोपहर मेट्रो

डिंडोरी जिला जल संचय अभियान में देशभर में दूसरे स्थान पर है। पिछले दो महीनों से जिले में जनभागीदारी से लगातार जल संरचनाओं का निर्माण और जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। अब तक जिले की जनपद पंचायत क्षेत्रों में 6 लाख 26 हजार 955 जल संरचनाओं का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारियों ने उन्हें जल संरक्षण का महत्व समझाया। उन्हें बताया गया कि पानी रोकने से ही बचेगा और फिर उपलब्ध होगा। इस प्रेरणा के बाद, लोग स्वयं प्रेरित होकर अपने घरों में जल संचय संरचनाओं का निर्माण करने लगे हैं।

मेट्रो एंकर

पावर ग्रिड गेट के सामने सड़क पर बनाई मानव श्रृंखला....

स्कूल बंद करने के विरोध में स्थानीय लोगों ने किया प्रदर्शन

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

इटारसी में 37 साल पुराने प्रतिष्ठित पावर ग्रिड स्कूल को बंद किए जाने के फैसले का विरोध करते हुए स्थानीय नागरिकों और नेताओं ने गुरुवार शाम पावर ग्रिड मुख्य द्वार पर बड़ी मानव श्रृंखला बनाई। विरोध प्रदर्शन पथरौटा के अलावा इटारसी से आए सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। पावर ग्रिड स्कूल बचाओ समिति के सदस्यों ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने स्कूल की बिल्डिंग को जर्जर व क्षतिग्रस्त बताते हुए बंद करने का फैसला किया है, जबकि उसी परिसर में अन्य क्षतिग्रस्त इमारतों का पुनर्निर्माण करवा दिया गया है। आंदोलनकारियों ने कहा कि इस तरह के सौतेले व्यवहार को सहन नहीं किया जाएगा और स्कूल को बचाने के लिए हर संभव कदम उठाया जाएगा।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार पावर ग्रिड स्कूल पिछले 37 वर्षों से क्षेत्र के बच्चों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। यदि स्कूल बंद हो जाता है तो इससे पहले से कक्षा पहली से आठवीं तक पढ़ने वाले लगभग 316 छात्र-छात्राओं को अलग-अलग स्कूलों में स्थानांतरित होना पड़ेगा, जिसके कारण अभिभावकों पर आर्थिक व शैक्षिक बोझ बढ़ने की आशंका है। मानव श्रृंखला के दौरान पूर्व छात्रा शीतल परदेश, गीता चौधरी, संदीप मेहतो,पूर्व जिला पंचायत सदस्य विजय बाबू चौधरी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय, पूर्व पार्षद लालू गौर, पार्षद शिवकिशोर रावत , केलू उपाध्याय, पंकज राठौर मयूर जायसवाल, अतुल मेहतो सहित स्कूल के पूर्व छात्र-छात्राएं और सैकड़ों स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। पथरौटा पुलिस भी आयोजन स्थल पर उपस्थित रही, लेकिन किसी तरह की घटना की खबर नहीं मिली। पावर ग्रिड स्कूल बचाओ समिति ने प्रशासन से मांग की है कि स्कूल भवन का स्वतंत्र तकनीकी सर्वे कराया जाए और अल्टरनेटिव ठोस योजना के साथ माता-पिता व स्थानीय प्रतिनिधियों की सहमति से ही कोई निर्णय लिया जाए। समिति ने कहा कि यदि मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो वे आगे बड़े पैमाने पर आंदोलन करने के संकेत दे रहे हैं। वहीं इस संबंध में इस संबंध में पॉवर ग्रिड के वरिष्ठ महाप्रबंधक रघुनंदन सिंह लोधी ने बताया कि 30 अप्रैल को भोपाल स्थित मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा स्कूल भवन का सर्वे किया गया था। रिपोर्ट में भवन को नॉट फॉर यूज घोषित किया गया है।

न्यूज विंडो

एक दूसरे को गले मिलकर दी मुबारकबाद, अमन चैन की हुई दुआ

तेंदूखेड़ा। गुरुवार को जमा मस्जिद तेंदूखेड़ा में ईद उल अजहा बकरीद की नमाज अदा कराई गई सभी ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी जिसमें जमा मस्जिद के इमाम हाजी खालिद रजा साहब ने नमाज पढ़ाई और देश में अमन और सुकून देश की तरक्की की दवा दवा मांगी जामा मस्जिद अध्यक्ष अब्दुल समी खान उपाध्यक्ष डॉ अजीज खान इदरीश खान रईस खान सोनू खान शोएब नवाब साहब खलील खान नसीम शाह हारून और झरौली बगदरी आसपास से आए मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जमा मस्जिद में नमाज अदा की पुलिस प्रशासन का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

ईदगाह और मस्जिदों में नमाजियों ने की अमन-चैन की दुआ

नरसिंहपुर । बकरीद का पर्व गुरुवार को पूरे धार्मिक उत्साह, भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। शहर की विभिन्न मस्जिदों और ईदगाह में सुबह से ही नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां मुस्लिम समाज के लोगों ने ईद-उल-अजहा की विशेष नमाज अदा कर देश और प्रदेश में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बकरीद की मुबारकबाद दी। बच्चों और युवाओं में पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। घरों में विशेष व्यंजन बनाए गए और लोगों ने रिश्तेदारों एवं परिचितों के साथ खुशियां साझा कीं। कब्रिस्तान जाकर पूर्वजो का स्मरण किया। शहर की प्रमुख मस्जिदों और ईदगाह में सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। पुलिस बल तैनात रहा और अधिकारियों ने लगातार व्यवस्थाओं का जायजा लिया, जिससे पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। धार्मिक गुरुओं ने अपने संदेश में कहा कि बकरीद त्याग, बलिदान, इंसानियत और आपसी भाईचारे का पर्व है, जो समाज को प्रेम और सहयोग की सीख देता है। मुस्लिम समाज के लोगों ने जरूरतमंदों की मदद कर सामाजिक समरसता का संदेश भी दिया।

तारादेही में गिरे ओले, झमाझम बारिश से मिली गर्मी से राहत

तेंदूखेड़ा। नौतपा के चौथे दिन अधिकतम तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया इसी तेंदूखेड़ा ब्लॉक में मौसम ने करवट ली और गर्म हवाओं के साथ करीब आधा घंटे तक झमाझम बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिली तेंदूखेड़ा नगर में दोपहर करीब 2 बजे हल्की बूंदाबांदी हुई और शाम 6 बजे भी बूंदाबांदी इसके अलावा ब्लॉक के तारादेही गांव में 4 बजे अचानक मौसम में बदलाव आया। तेज धूप और गर्म हवाओं के बाद शुरू हुई बारिश और ओलावृष्टि ने पूरे इलाके को ठंडा कर दिया। कई लोगों ने बारिश का आनंद लिया, जबकि कुछ लोग खुद को बचाने का प्रयास करते दिखे यह पहली बार नहीं है जब तेंदूखेड़ा ब्लॉक में नौतपा के दौरान बारिश हुई हो। नौतपा के पहले दिन भी यहां झमाझम बारिश दर्ज की गई थी, और सोमवार को भी एक घंटे तक जोरदार बारिश के साथ ओले गिरे थे। जिले के अन्य स्थानों पर हालांकि इस प्रकार का मौसम नहीं बना और वहां भी लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ा। जिले का अधिकतम तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है।

बांधवगढ़ रिजर्व क्षेत्र में वन्य जीवों की मौत पर उठे बड़े सवाल

बांधवगढ़। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र से लगे निजी पट्टे की जमीन पर वन्यजीवों के शव मिलने के मामले में अब जांच प्रक्रिया पर ही सवाल खड़े होने लगे हैं। घटना के बाद प्रारंभिक स्तर पर वन विभाग और प्रशासन द्वारा जांच शुरू किए जाने की बात कही गई थी, लेकिन लंबे समय बाद भी मामले में किसी ठोस निष्कर्ष या कार्रवाई का सामने नहीं आना लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। मामले में कुछ प्रभावशाली राजनीतिक लोगों या बड़े कारोबारियों की भूमिका होने की आशंका के चलते जांच की गति धीमी पड़ गई है। क्षेत्र में यह चर्चा भी तेज है कि जांच को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे वास्तविक तथ्यों तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है। यदि सामान्य व्यक्ति पर इस प्रकार का आरोप होता तो अब तक कड़ी कार्रवाई हो चुकी होती, लेकिन इस मामले में लगातार चुप्पी और देरी कई सवालों को जन्म दे रही है।

मंडीदीप में पेयजल संकट ने प्रशासन की नाकामी और लापरवाही को किया उजागर

पेयजल सप्लाई के लिए खरीदे ट्रैक्टर खा रहे धूल, लोगों में पानी के लिए मचा हाहाकार

नपा के पांच ट्रैक्टर लगा रहे 30 चक्कर, चार ट्रैक्टर और जुड़ने से लगेंगे 50 चक्कर, लोगों की परेशानी होगी दूर

अजय आहूजा। मंडीदीप

नगर पालिका परिषद मंडीदीप में पेयजल संकट ने एक बार फिर प्रशासन की नाकामी और लापरवाही को बेनकाब कर दिया है। जहां शहर के कई वार्डों में पानी की भारी किल्लत है, लोग दिन-रात कुप्पे लेकर टैंकरों के पीछे भटक रहे हैं, वहीं नपा ने 4 नए ट्रैक्टर खरीदकर फायर स्टेशन पर खड़ा कर रखे हैं। आठ दिन बीत गए, लेकिन ये ट्रैक्टर सड़क पर नहीं उतरे।नपा के वार्डों में वर्तमान में एक निजी और चार नपा टैंकर मिलकर दिनभर में महज 30 चक्कर लगा पा रहे हैं। यदि चार नए ट्रैक्टर भी सक्रिय हो जाते तो यह संख्या दोगुनी हो जायेगी और लोगों को काफी राहत मिल सकती है, लेकिन अफसोस, ये ट्रैक्टर खरीदने के बाद से फायर स्टेशन पर धूल फांक रहे हैं। नपा सूत्रों का कहना है कि ट्रैक्टर खरीद लिए गए हैं, लेकिन चालक नियुक्त नहीं किए गए। वहीं जिम्मेदार अधिकारी पंजीयन नहीं होने का हवाला दे रहे हैं। परिवहन विभाग की व्यवस्था को देखते हुए

यह बहाना लोगों के गले नहीं उतर रहा, क्योंकि सामान्यतः 24 से 48 घंटे में पंजीयन हो जाता है। यही बजह है कि नपा नये ट्रैक्टर सड़क पर नहीं उतार पा रही है।

इन वार्डों में जलसंकट

शहर के वार्ड क्रमांक 4, 6, 7, 8, 9, 10, 21, 22 और 23 में पानी का संकट सबसे गंभीर है। कारखानों में दिनभर मेहनत करने वाले मजदूर रात को भी पानी की तलाश में सड़कों पर भटकते नजर आ रहे हैं। कई जगहों पर लोग टैंकर आने का इंतजार करते-करते घंटों तक बैठे रह जाते हैं।

रहवासियों में गुस्सा

लोगों में नपा प्रशासन के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सवाल उठ रहा है कि जब पानी का संकट चरम पर है, तब नपा की प्राथमिकता क्या है? नए ट्रैक्टर खरीदकर उन्हें बेकार खड़ा रखना किसकी लापरवाही है। रहवासी नरेन्द्र सिंह का कहना है कि नपा प्रशासन पेयजल संकट को लेकर गंभीर नहीं है अगर नपा गंभीर होती तो है यह ट्रैक्टर सड़क पर चलते हुए नजर आते। नपा सीएमओ प्रशांत जैन ने बताया कि नये ट्रैक्टरों का पंजीयन नहीं होने के कारण उन्हें अभी नहीं चलाया जा रहा है, जल्दी यह सड़क पर पेयजल आपूर्ति करते नजर आएंगे।

भीषण गर्मी में पत्रकार परेशान

जनसंपर्क कार्यालय की लाइब्रेरी में कूलर भी नहीं

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिला जनसंपर्क कार्यालय अनूपपुर में इन दिनों भीषण गर्मी के बीच पत्रकारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार जब भी पत्रकार समाचार पत्र पढ़ने, विभागीय जानकारी लेने अथवा शासकीय योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए कार्यालय परिसर स्थित लाइब्रेरी पहुंचते हैं, वहां गर्मी से राहत के लिए किसी प्रकार की समुचित व्यवस्था उपलब्ध नहीं है।

पत्रकारों का कहना है कि लाइब्रेरी में बैठकर समाचार पत्रों एवं अन्य दस्तावेजों का अध्ययन करना बेहद कठिन हो रहा है, क्योंकि वहां कूलर की व्यवस्था नहीं होने से गर्म हवाओं के बीच घंटों बैठना मजबूरी बन गया है। इसके अलावा लाइब्रेरी में रखी गई अलमारियों से पुस्तकों और संदर्भ सामग्री को भी पढ़ने के लिए उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, जिससे पत्रकारों को आवश्यक जानकारी प्राप्त करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

काल भैरव तालाब में डूबने से मासूम की मौत

धार। दोपहर मेट्रो

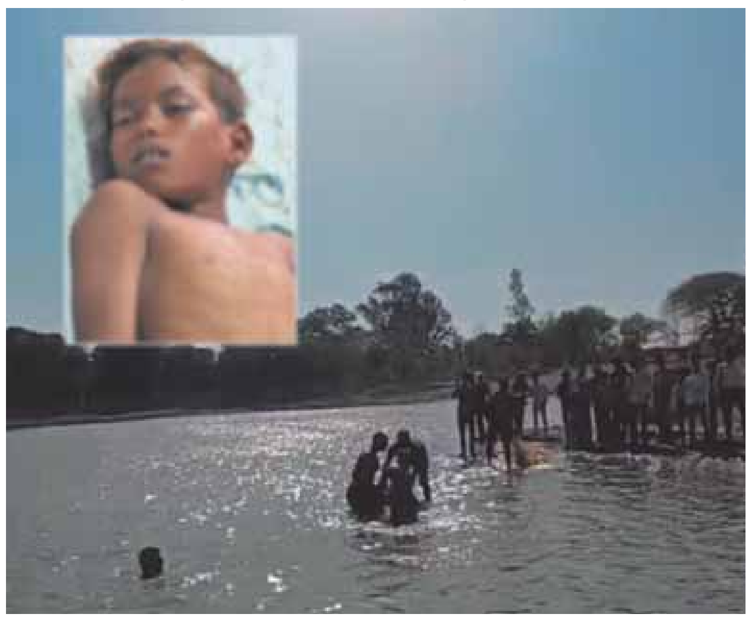

शहर के काल भैरव तालाब में गुरुवार दोपहर नहाने गया एक 9 वर्षीय बच्चे की डूबने से मौत हो गई, सूचना मिलने पर मौके पर पहुँचे गोताखोरों ने शव को बाहर निकाला, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल ले जाया गया। वहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक बच्चे की पहचान 9 वर्षीय साहिल पिता जोरावर के रूप में हुई है। साहिल का परिवार मूल रूप से राजस्थान के गघंराड़ का रहने वाला है, जो पिछले करीब दो वर्षों से धार के जानकी नगर इलाके में डेरा डालकर रह रहा था। यह परिवार यहाँ कंबल और चादर बेचने का व्यवसाय करता है। गुरुवार को जब साहिल के माता-पिता अपने काम पर गए हुए थे, तभी वह मोहल्ले के अन्य बच्चों के साथ काल भैरव तालाब में नहाने चला गया। नहाने के दौरान साहिल गहरे पानी में चला गया और डूब गया। सूचना मिलते ही स्थानीय गोताखोरों की टीम मौके पर पहुँची और कड़े प्रयास के बाद बच्चे को पानी से बाहर निकाला। उसे तुरंत धार जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। जिला अस्पताल के डॉक्टर बाज बहादुर सिंह ने बताया कि बच्चे को जब अस्पताल लाया गया, तबतक उसकी मौत हो चुकी थी, शरीर में अधिक पानी भर गया था, शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है। कोतवाली टीआई दीपक सिंह ने बताया कि 9 वर्षीय बच्चे साहिल की पानी में डूबने से मौत हुई, पंचनामा बनाकर मर्ग कायम किया गया है।

लूट, अपहरण और दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

गंधवानी थाना पुलिस ने क्षेत्र में लूट और महिला के अपहरण की वारदातों में शामिल हजारों के इनामी और शातिर फरार बदमाश प्रकाश को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और लूटी गई नकद राशि भी बरामद की है।

धार एसपी सचिन शर्मा द्वारा जिले में संपत्ति संबंधी और अपहरण के अपराधों को गंभीरता से लेते हुए फरार आरोपियों की धरपकड़ के निर्देश दिए गए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर के निर्देशन एवं एसडीओपी मनावर ब्रजेश कुमार मालवीय के मार्गदर्शन में गंधवानी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप खन्ना के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। पुलिस की गिरफ्त में आए शातिर बदमाश प्रकाश ने अपने साथियों के साथ मिलकर गंधवानी क्षेत्र में कई वारदातों को अंजाम दिया था, 6 दिसंबर 2025 को आरोपी ने अपने दो

अन्य साथियों के साथ मिलकर मनावर निवासी फरियादी रामगोपाल पोरवाल के साथ लूट की थी, 27 अक्टूबर 2025 को आरोपियों ने ग्राम पिपली निवासी फरियादी दीपु बिलवाल को निशाना बनाते हुए लूट की वारदात को भी अंजाम दिया था। 19 मार्च 2026 आरोपी प्रकाश ने अपने साथी सतीष गेहलोद के साथ मिलकर एक महिला का अपहरण किया था, जिसमें गंधवानी थाने पर अपहरण और दुष्कर्मका संगीन मामला दर्ज किया था। पुलिस अब आरोपी प्रकाश को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ के दौरान क्षेत्र में हुई अन्य संपत्ति संबंधी और चोरी-लूट की वारदातों के खुलासे होने की पूरी संभावना है।

बार-बार ठिकाने बदल रहा था इनामी बदमाश

लूट के मामलों में पुलिस पूर्व में आरोपी जितेन्द्र वास्केल और अपहरण व बलात्कार के मामले में सह-आरोपी सतीष गेहलोद को पहले ही जेल भेज चुकी है। लेकिन मुख्य आरोपी प्रकाश निवासी ग्राम आमघाटा लगातार फरार चल रहा था। वह शातिर होने के कारण बार-बार अपने ठिकाने बदल रहा था, जिसके चलते एसपी धार द्वारा उस पर पाच हजार पांच सो का इनाम घोषित किया गया था।

कलेक्शन मैनेजर को बाइक से गिराया 70 हजार रुपये और मोबाइल लूटा

धार। दोपहर मेट्रो

राजगढ़-पारा रोड पर ग्राम इंचूर टावर के पास दिनदहाड़े बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने एक माइक्रोफाइनेंस कंपनी के फील्ड मैनेजर पर जानलेवा हमला कर हजारों रुपये की नगदी, मोबाइल और दस्तावेज लूट लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित राजवीर पिता हरसिंह मालवीय, निवासी लसूड़िया गोयल थाना इच्छावर, जिला सीहोर वर्तमान में राजगढ़ के चंद्रशेखर मार्ग पर रहते हैं। वह क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लिमिटेड कंपनी की राजगढ़ शाखा में फील्ड मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। घटना के दिन राजवीर अपनी मोटरसाइकिल से ग्राम तिरला और चालनी माता क्षेत्र में समूह लोन की राशि कलेक्शन करने गए थे। सुबह करीब 10 बजे जब वे कलेक्शन की राशि लेकर चालनी माता से वापस राजगढ़ आ रहे थे, तभी ग्राम इंचूर टावर के पास पीछे से दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए चार बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। बदमाशों ने राजवीर की मोटरसाइकिल को ओवरटेक कर उनके आगे अपनी गाड़ी अड़ा दी, जिससे राजवीर बाइक सहित सड़क पर गिर गए। बदमाशों के हाथों में धारदार फालिया भी था, जिससे वे राजवीर पर वार करने की कोशिश कर रहे थे। इसी बीच राजवीर ने किसी तरह खुद को बचाते हुए वहां से दूर भागने का प्रयास किया। सड़क पर गिरने बीच बदमाशों ने राजवीर की जेब से कलेक्शन के 70 हजार रुपये नगद, और मोबाइल लूट लिया। वारदात को अंजाम देकर आरोपी अपनी बाइकों से तेजी से फरार हो गए। इस हादसे में मोटरसाइकिल से गिरने के कारण राजवीर के दाहिने और बाएं हाथ के पंजे पर चोटें आई हैं। घटना के बाद पीड़ित ने राजगढ़ थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मेट्रो एंकर — प्रशिक्षित तैराक और तत्काल रेस्क्यू करने योग्य संसाधनों की कमी

पांच मौतों के बाद भी एसडीआरएफ तैनात नहीं, व्यवस्था पर उठे सवाल

अमरकंटक । दोपहर मेट्रो

अमरकंटक मध्यप्रदेश का प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल है, जहां हर वर्ष लाखों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं, लेकिन लगातार हो रही डूबने की घटनाओं के बावजूद सुरक्षा व्यवस्थाओं की कमी अब गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। हालिया घटना ने एक बार फिर प्रशासनिक तैयारियों और बचाव तंत्र की क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार जिस व्यक्ति के डूबने की सूचना लगभग दोपहर 3 बजे मिली थी, उसकी तलाश पूरी रात चलती रही और अगली सुबह करीब 8 बजे कांटे और जाली की सहायता से शव बाहर निकाला गया। घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या SDRF के पास अनूपपुर जिले में प्रशिक्षित तैराक और तत्काल रेस्क्यू करने योग्य संसाधनों की कमी है? घटना को लेकर स्थानीय नागरिकों में भारी

आक्रोश है। लोगों का कहना है कि कपिलधारा, सोनमूड़ा और बांध क्षेत्र के ऊपर बने पुलों पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों से लगातार शुल्क वसूला जाता है, लेकिन बदले में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं कराई जाती। न चेतावनी बोर्ड, न लाइफ जैकेट, न बैरिकेडिंग और न ही स्थायी बचाव दल की तैनाती दिखाई देती है। सबसे गंभीर सवाल इस बात पर उठ रहा है कि जिस समय यह दुखद घटना हुई, ऐसे में प्रशासन द्वारा पहले से प्रशिक्षित गोताखोर और SDRF टीम की तैनाती क्यों नहीं की गई? स्थानीय लोगों का कहना है कि अनूपपुर से अमरकंटक पहुंचने में लगभग दो घंटे लगते हैं, फिर भी शाम 6 बजे तक राहत दल मौके पर पहुंच सका। आपदा के गोल्डन आवर में बचाव दल की अनुपस्थिति अब प्रशासनिक लापरवाही मानी जा रही है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि अनूपपुर जिला प्रशासन, अमरकंटक विकास प्राधिकरण और नर्मदा मंदिर ट्रस्ट केवल शुल्क वसूली तक सीमित होकर रह गए हैं, जबकि यात्रियों की सुरक्षा भगवान भरोसे छोड़ दी गई है। लगातार सामने आ रही घटनाओं ने पर्यटन और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। अब स्थानीय नागरिक स्थायी SDRF कैंप, प्रशिक्षित गोताखोरों की तैनाती, लाइफ सेविंग उपकरण, चेतावनी बोर्ड और संवेदनशील क्षेत्रों में 24 घंटे निगरानी व्यवस्था की मांग कर रहे हैं।

कार्यालय थाना प्रभारी मंगलवारा नगरी. पुलिस जिला भोपाल म.प्र.

क्र./था.प्र./मंगल./भो./डी/115/26 दिनाँक 22/05/26

प्रति

दिनाँक सर्व साधारण सूचित किया जाता है कि थाना मंगलवारा नगरीय भोपाल के मर्ग क्र. 04/26 धारा 194 बी एन एस एस मे एक महिला मृतिका अज्ञात है दिनाँक 17/05/26 को अल्पना तिराहा में फुटपाथ में मृत अवस्था में पाये जाने रवि पिता जानकी प्रसाद ठाकुर मंगलवारा भोपाल की सूचना पर मर्ग सदर का कायम का जाँच में लिया गया है। गया जिसकी हुलिया इकहरा बदन अतियंत दुर्बल सावला बदन उचाई 5.2 च मटमैले गंग की कुर्ती लाल ओढ़नी पहने है। जांचकर्ता-उ.नि.जी.पी.पटेल मोव. नं. -7049105236 अतः निवेदन है कि दैनिक समाचार पत्रो में प्रकाशन किये जाने हेतु कृपा करे।

थाना प्रभारी
थाना मंगलवारा

G-13557/26 "सायबर क्राइम सुरक्षा हेल्पलाइन नं. - 1930"

फ्रेंच ओपन में बड़ा धमाका : सेरुंडोलो ने रचा इतिहास

दो सेट जीतने के बाद भी हार गए यानिक सिनर, गर्मी बनी विलेन

पेरिस, एजेंसी

फ्रेंच ओपन 2026 में गुरुवार को ऐसा नतीजा सामने आया जिसने टेनिस जगत को चौंका दिया। विश्व नंबर-1 इटली के यानिक सिनर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। अर्जेंटीना के गैर-वरीय खिलाड़ी जुआन मैनुअल सेरुंडोलो ने पांच सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए सिनर को मात दी। शुरुआती दो सेट गंवाने के बाद सेरुंडोलो ने जिस अंदाज में मुकाबला पलटा, उसे टूर्नामेंट के सबसे बड़े उलटफेरों में गिना जा रहा है।

मुकाबले की शुरुआत में ऐसा लग रहा था कि यानिक सिनर आसानी से अगले दौर में पहुंच जाएंगे। उन्होंने पहले ही सेट से आक्रामक खेल दिखाया और अपनी दमदार सर्विस तथा सटीक ग्राउंड स्ट्रोक्स के दम पर सेरुंडोलो को लगातार दबाव में रखा। सिनर ने पहला सेट 6-3 और दूसरा सेट 6-2 से जीतकर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली।

तीसरे सेट में भी इटली के स्टार खिलाड़ी पूरी तरह नियंत्रण में दिखाई दे रहे थे। वह 5-1 की बढ़त हासिल कर चुके थे और जीत से केवल एक कदम दूर थे। लेकिन इसके बाद मुकाबले ने अप्रत्याशित मोड़ ले लिया।

गर्मी बनी सिनर की सबसे बड़ी चुनौती

पेरिस में पड़ रही तेज गर्मी और लंबे मुकाबले का असर सिनर की फिटनेस पर साफ दिखाई देने लगा। तीसरे सेट के दौरान उन्हें चक्कर आने और डिहाइड्रेशन की शिकायत हुई। स्थिति बिगड़ने पर उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया। ब्रेक के बाद कोर्ट पर लौटे सिनर पहले जैसे नजर नहीं आए। उनकी मूवमेंट धीमी पड़ गई और लंबे रैलियों में वह संघर्ष करते दिखाई दिए। कई मौकों पर वह गेंद तक पहुंचने में भी असहज दिखे। शारीरिक परेशानी ने उनके खेल की लय पूरी तरह बिगाड़ दी। सिनर की कमजोरी का फायदा उठाते हुए जुआन मैनुअल सेरुंडोलो ने शानदार संयम और रणनीति का परिचय दिया। उन्होंने कोर्ट के कोनों में सटीक शॉट लगाए और लगातार ड्रॉप शॉट्स के जरिए सिनर को दौड़ाया। अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने तीसरे सेट में लगातार छह गेम जीतकर 7-5 से सेट अपने नाम कर लिया।

जोकोविच पर टिकीं खिताब की निगाहें

कार्लोस अल्काराज के पहले ही टूर्नामेंट से हटने और अब यानिक सिनर के बाहर होने के बाद सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच खिताब के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे हैं। जोकोविच के पास रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने का सुनहरा अवसर है। वहीं फ्रेंच ओपन के इतिहास में साल 2000 के बाद यह पहला मौका है, जब पुरुष एकल के तीसरे दौर में दुनिया के नंबर-1 और नंबर-2 दोनों खिलाड़ी मौजूद नहीं होंगे। इससे टूर्नामेंट की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है और आगे के मुकाबले और भी रोमांचक होने की उम्मीद बढ़ गई है।

खिलाड़ियों की फिटनेस पर फिर उठे सवाल

सिनर की हार के बाद फ्रेंच ओपन में खिलाड़ियों की फिटनेस और सुरक्षा को लेकर बहस तेज हो गई है। हाल के वर्षों में टूर्नामेंट के दौरान बढ़ते तापमान ने खिलाड़ियों की मुश्किलें बढ़ाई हैं। इस बार आयोजकों ने शीर्ष खिलाड़ियों के लिए दिन के सत्र में कम से कम एक मुकाबला खेलना अनिवार्य किया था। सिनर का यह पहला डे-सेशन मैच था और गर्मी के कारण उनकी हालत बिगड़ने से टूर्नामेंट की व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त उपायों की जरूरत पड़ सकती है।

सेरुंडोलो के करियर की सबसे यादगार जीत

विश्व रैंकिंग में 56वें स्थान पर मौजूद जुआन मैनुअल सेरुंडोलो के लिए यह जीत किसी सपने से कम नहीं है। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी को हराकर उन्होंने न केवल तीसरे दौर में जगह बनाई, बल्कि अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ दिया।

जीटी और आरआर के बीच क्वालिफायर-2 मुकाबला आज

गुजरात के सामने होगी वैभव सूर्यवंशी की चुनौती, फाइनल का टिकट एक कदम दूर

मुल्लांपुर, एजेंसी

गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच शुक्रवार को क्वालिफायर-2 मुकाबला खेला जाएगा। दोनों ही टीमों के लिए यह मैच करो या मरो की तरह है और यहां किसी भी तरह की गलती की कोई गुंजाइश नहीं है। गुजरात को क्वालिफायर-1 में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि राजस्थान ने एलिमिनेटर मुकाबले में एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की थी। अब जो भी टीम ये मैच जीतेगी उसका सामना 31 मई को फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। इस आईपीएल सीजन में वैभव सूर्यवंशी हर गेंदबाज के लिए पहेली बने हुए हैं। हैदराबाद के खिलाफ जिस तरह से वैभव ने बल्लेबाजी की है उससे गुजरात की चिंता जरूर बढ़ गई होगी। आरसीबी के खिलाफ गुजरात की गेंदबाजी काफी खराब रही थी, ऐसे में वैभव को रोकना उनके गेंदबाजों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है।

राजस्थान को वैभव से आस

बल्लेबाजों की मददगार इस पिच पर सूर्यवंशी एक बार फिर हर गेंद को पीटना चाहेंगे और गेंदबाज के रसूख की वह परवाह नहीं करते। इसलिए जसप्रीत बुमराह से लेकर पैट कमिंस तक सभी की गेंदों पर उन्होंने छक्के लगाए हैं। कुछ मैचों में सूर्यवंशी शॉर्ट गेंद पर विकेट गंवा बैठे हैं और गुजरात के गेंदबाज इसी पर फोकस करना चाहेंगे। रॉयल्स की सफलता की कुंजी सूर्यवंशी और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर साबित हुए हैं। सूर्यवंशी के शानदार फॉर्म के आगे यशस्वी जायसवाल छिप से गए हैं। ध्रुव जुरेल ने तीसरे नंबर पर अच्छी बल्लेबाजी की है। इस बात की संभावना कम ही है कि राजस्थान की टीम प्लेइंग-11 में किसी तरह का बदलाव करेगी।

गुजरात के शीर्ष क्रम को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

दूसरी ओर, गुजरात के पास एक और आईपीएल फाइनल में पहुंचने का मौका है। गुजरात की टीम बल्लेबाजी में शीर्ष तीन शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर पर निर्भर है। अगर ये नहीं चले तो बड़ा स्कोर बनना मुश्किल है। अगर रॉयल्स ने 250 से अधिक रन बना लिए तो गिल और सुदर्शन पर दबाव आ जाएगा। सुदर्शन के प्रदर्शन में निरंतरता है लेकिन वह पहली गेंद से पीट नहीं सकते। गेंदबाजी गुजरात की ताकत है लेकिन धर्मशाला में आरसीबी के खिलाफ डैथ ओवरों में उसके गेंदबाज नहीं चले थे जब आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने शानदार पारी खेली थी। गुजरात को अपनी फील्डिंग में भी काफी सुधार करना होगा। पिछले मैच में राहुल तेवतिया का फॉर्म भी उसके लिए अच्छा संकेत है। पिछले मैच में तेवतिया इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे थे और उस मैच में टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने किया घरेलू सीजन के शेड्यूल का ऐलान

कैरेबियाई टीम करेगी पाकिस्तान श्रीलंका और न्यूजीलैंड की मेजबानी

एंटीगुआ, एजेंसी

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने साल 2026 के घरेलू सीजन के शेड्यूल का ऐलान कर दिया है। कैरेबियाई टीम श्रीलंका, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की मेजबानी करेगी। घरेलू सीजन का मुख्य आकर्षण श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली दो-दो मुकाबलों की टेस्ट सीरीज होगी, जो आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल का हिस्सा होगी। घरेलू सीजन की शुरुआत जमैका में 3-14 जून तक श्रीलंका के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज के साथ होगी, जिसमें तीन वनडे और इतने ही टी20 इंटरनेशनल मैच होंगे। इसके बाद दोनों टीमों के बीच दो मुकाबलों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट 25-29 जून तक खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 3-7 जुलाई तक खेला जाना है। टेस्ट सीरीज के दोनों मुकाबलों की मेजबानी एंटीगुआ करेगा। इसके बाद कैरेबियाई टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मुकाबलों की वनडे सीरीज खेलेगी। 11, 13 और 16 जुलाई को शुरुआती तीन वनडे मुकाबलों की मेजबानी गुयाना करेगा, जबकि 19 और 21 जुलाई को होने वाले आखिरी दो वनडे मुकाबले बारबाडोस में खेले जाएंगे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक रिलीज में कहा, ÷फाइनल शेड्यूल के हिस्से के तौर पर बारबाडोस को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे इंटरनेशनल सीरीज के लिए होस्ट वेन्यू के तौर पर जोड़ा गया है, और अब आखिरी दो मैच वहीं खेले जाएंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी सीरीज खेलेगी वेस्टइंडीज

वेस्टइंडीज घरेलू सीजन की आखिरी सीरीज पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। दोनों टीमों के बीच दो मुकाबलों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। सीरीज का पहला मुकाबला 25-29 जुलाई और दूसरा टेस्ट 2-6 अगस्त तक खेला जाना है। इस टेस्ट सीरीज की मेजबानी त्रिनिदाद और टोबैगो करेगा। ब्रायन लारा क्रिकेट एकेडमी के लिए यह सीरीज ऐतिहासिक साबित होगी और यह मैदान पहली बार टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। वेस्टइंडीज अभी भी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की रैंकिंग में 9वें स्थान पर है और टीम ने अब तक कुल 8 मुकाबले खेले हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

टीवी शो 'तुम हो ना- घर की सुपरस्टार' के अपकमिंग एपिसोड में अभिनेत्री रश्मि देसाई भावुक नजर आईं। सामने आए प्रोमो में वह अपने जीवन के काले अध्याय के बारे में खुलकर बात करती नजर आईं।

जैसे जिंदगी खत्म हो गई हो...

रश्मि देसाई ने बताया जीवन का सबसे बुरा दौर

रश्मि ने बताया कि एक समय वह अपनी मां से पूरी तरह कट गई थीं और परिवार से भी पूरी तरह से दूर हो गई थीं। शो के होस्ट राजीव खंडेलवाल के साथ बातचीत में रश्मि ने बताया कि वह उनके जीवन का सबसे बुरा समय था। उन्होंने स्वीकार किया कि उस वक्त उन्हें लगा था कि उनका करियर और जिंदगी सबकुछ खत्म हो चुका है। रश्मि ने बताया कि उस दौरान उनकी मां से कोई बातचीत नहीं होती थी। उन्होंने उन्हें ब्लॉक कर दिया था और परिवार के किसी सदस्य से संपर्क नहीं था। रश्मि ने बताया, ÷मुझे लगता था कि अब मेरी जिंदगी यहीं खत्म हो गई है। इस घर से बाहर निकलते ही मेरा करियर चला जाएगा, निजी जिंदगी चली

जाएगी। मेरे पास पैसे भी कम थे और न ही मेरे पास कुछ ऐसा था, जिस पर भरोसा किया जा सके। उन्होंने नदीम भाई का विशेष रूप से आभार जताते हुए बताया कि उन्होंने उस मुश्किल समय में उनकी बहुत मदद की। रश्मि ने बताया, ÷निधि, जीविता और नदीम भाई, ये तीन लोग ही थे जो मेरी पूरी हकीकत जानते थे। मैं कभी झूठ नहीं बोलती और न ही कहानियां बनाती हूं। चार साल बाद या दस साल बाद भी मुझसे पूछेंगे तो जवाब वही होंगे। रश्मि ने इस अनुभव से मिले सबक पर भी बात की। उन्होंने बताया कि गलतियां जीवन का हिस्सा हैं। हम उन्हें बार-बार सोच-सोचकर बड़ा बना लेते हैं। लेकिन, असल में दूसरों की गलतियों से ज्यादा हम अपनी गलतियों से सीखते हैं। रश्मि ने कई महिलाओं को संदेश दिया कि जीवन को फिर से शुरू करना ठीक है।

थी बहुत सारी गलतफहमियां

उन्होंने बताया कि जब सब आपके खिलाफ हों, वही सबसे अच्छा समय होता है। उस वक्त व लोग जिनकी आपकी जिंदगी में अहमियत नहीं और वैसी ही चीजें अपने आप निकल जाती हैं और सिर्फ वही रह जाते हैं, जो आपके लिए सही हैं। रश्मि ने बताया कि उनकी मां से बातचीत साल 2020 के फरवरी में उनके जन्मदिन के बाद फिर से शुरू हुई थी। रश्मि ने बताया कि बहुत सारी गलतफहमियां थीं। वह खुद को विद्रोही और बेहद महत्वाकांक्षी लड़की मानती हैं। जब वह कुछ करना चाहती थीं तो उनकी मां डर जाती थीं।

श्रद्धा कपूर का डांस, बॉयफ्रेंड ने किया रिकॉर्ड यूजर्स बोले- घर साफ कर लो पहले

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इंस्टाग्राम पर अक्सर अपनी फनी पोस्ट और रील्स के जरिए फैंस को एंटरटेन करती रहती हैं। बीती रात बुधवार को एक्ट्रेस ने ऐसा ही वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वो दिल खोलकर नाचती हुई नजर आईं। श्रद्धा पॉप स्टार माइकल जैक्सन के गाने पर यू हीं झूम रही थीं, जिसे उनके बॉयफ्रेंड राहुल मोदी ने रिकॉर्ड किया।

श्रद्धा माइकल जैक्सन के गाने पर बेफिक्र होकर अपनी डांसिंग स्किल्स दिखा रही थीं। कैजुअल कपड़ों में एक्ट्रेस का डांस काफी मजेदार था। श्रद्धा कपूर ने अपने वीडियो के कैप्शन में भी लिखा- कोई ऐसा ढूंढो जो आपका ऐसा डांस निकाल पाए। अंत में वो कैमरा की तरफ देखकर हंसती हुईं नजर आईं। श्रद्धा का डांस देखते ही देखते वायरल हो गया। कई सारे सेलेब्स को उनका बेफिक्र अंदाज पसंद आया। लोगों ने वीडियो पर क्यूट, श्रद्धा पगलू जैसे कमेंट्स लिखे। लेकिन कुछ यूजर्स ऐसे भी थे, जो श्रद्धा के वीडियो में उनके घर में बिखरे हुए सामान को नोटिस करने लगे। एक ने उन्हें लिख ही दिया कि वो डांस करने से पहले अपने घर में फैला गंद समेट लें। श्रद्धा के कमेंट में यूजर ने लिखा,

बहुत गंदा घर है, कम से कम वीडियो तो ग्रीन स्क्रीन पर बना लेती। हालांकि एक्ट्रेस की नजरों से ये कमेंट नहीं छिपा। उन्होंने तुरंत अपने मस्तीभरे अंदाज में जवाब दिया- डियर मॉम, रियल आईडी से आओ। श्रद्धा के जवाब ने लोगों का दिल जीता। श्रद्धा कपूर के इस वीडियो में फैंस को राहुल मोदी का कॉन्ट्रीब्यूशन भी पसंद आया। उन्होंने खुद एक्ट्रेस को ऐसा डांस करने के लिए कहा था। वीडियो के शुरू में राहुल की आवाज भी सुनाई देती है।

मेट्रो बाजार

आईबीसी से बैंकों को करीब 4.32 लाख करोड़ की वसूली करने में मदद मिली

नई दिल्ली। दिवाला एवं शोधन अक्षमता कोड (आईबीसी), 2016 के अंतर्गत स्वीकृत समाधान योजनाओं के माध्यम से बैंकों ने लगभग 4.32 लाख करोड़ रुपए की वसूली की। यह परिसमापन मूल्य के 116.85 प्रतिशत तथा उचित मूल्य के 94.56 प्रतिशत से अधिक रही। यह जानकारी गुरुवार को जारी की गई सरकारी फैक्टशीट में दी गई।

फैक्टशीट में कहा गया कि दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के लागू होने के बाद से भारत की दिवाला और ऋण व्यवस्था में मजबूती आई है। इस ढांचे ने वसूली तंत्र को बेहतर बनाया, ऋणदाता अनुशासन को सुदृढ़ किया तथा संकटग्रस्त संस्थाओं के लिए अधिक संरचित समाधान प्रक्रिया स्थापित की। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मार्च 2026 तक, संहिता के अंतर्गत 8,987 कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रियाएं (सीआईआरपी) स्वीकार की गईं। इनमें से 1,419 कॉर्पोरेट देनदारों का समाधान स्वीकृत समाधान योजनाओं के माध्यम से किया गया। वहीं, कई अन्य मामलों का निपटारा समझौतों, अपीलों, पुनर्विचार याचिकाओं तथा धारा 12ए के अंतर्गत वापसी के माध्यम से किया गया। आईबीसी ने बैंकिंग क्षेत्र में वसूली के परिणामों को भी बेहतर बनाया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ÷भारत में बैंकिंग की प्रवृत्तियों और प्रगति पर रिपोर्ट 2024-25÷ (29 दिसंबर 2025 को जारी) के अनुसार, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) द्वारा विभिन्न माध्यमों से वसूल किए गए कुल 1,04,099 करोड़ रुपए में से केवल आईबीसी के माध्यम से ही 54,528 करोड़ रुपए की महत्वपूर्ण वसूली हुई, जो कुल वसूली का 52.4 प्रतिशत है।

भारत टैक्सी : 35 लाख यूजर्स और 6 लाख से ज्यादा सारथी के साथ बनी सबसे बड़ी मोबिलिटी कोऑपरेटिव

गांधीनगर। जब हम सहकारिता शब्द सुनते हैं, तो अक्सर हमारे जेहन में अमूल की दूध क्रांति का चित्र उभरता है। लेकिन, आज गुजरात की सड़कों पर एक नई डिजिटल क्रांति दौड़ रही है, जिसका नाम है भारत टैक्सी। यह सिर्फ एक ऐप नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहकार से समृद्धि के सपने को सच करते उन हजारों सारथियों की कहानी है, जो अब किसी कंपनी के कर्मचारी नहीं, बल्कि इस मोबिलिटी प्लेटफॉर्म के खुद मालिक हैं। 5 फरवरी को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा लॉन्च की गई यह पहल, तकनीक और मानवीय गरिमा के संगम का दुनिया का सबसे बड़ा उदाहरण बन चुकी है।

भारत टैक्सी के चेयरमैन और अमूल के एमडी जयेन मेहता इस बदलाव को एक बड़ी क्रांति के रूप में देखते हैं। उनके अनुसार, ÷भारत टैक्सी ने ड्राइवर-ओन्ड मॉडल को धरातल पर उतारकर यह सुनिश्चित किया है कि राइड की 100 प्रतिशत कमाई बिना किसी कटौती के सीधे

ड्राइवर तक पहुंचे। आज यह दुनिया की सबसे बड़ी मोबिलिटी कोऑपरेटिव के रूप में उभरकर न केवल सारथियों की गरिमा बहाल कर रही है, बल्कि सहकार से समृद्धि के विजन को वैश्विक स्तर पर एक नया बेंचमार्क दे रही है। मोबिलिटी सेक्टर में अब तक सारथियों की सबसे बड़ी त्रासदी भारी-भरकम कमीशन और अनिश्चित आय रही है।

पिघल रहे हिमालय के ग्लेशियर, सफेद बर्फ हो रही काली

» नासा की रिपोर्ट से मचा हड़कंप

वाशिंगटन, नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के एक हालिया और बेहद चौंकाने वाले रिसर्च ने पूरी दुनिया सहित भारत के नीति-नियंताओं को गहरी चिंता में डाल दिया है। नासा द्वारा बीते 25 वर्षों के सैटेलाइट डेटा का गहन विश्लेषण करने के बाद यह बात सामने आई है कि बिहार समेत देश के मैदानी राज्यों में फैल रहा खतरनाक प्रदूषण अब सीधे तौर पर हिमालय को खोखला कर रहा है। मैदानी इलाकों से निकलने वाला जहरीला धुआं सीधे हिमालय की वादियों तक पहुंच रहा है, जिससे सदियों से सफेद बर्फ की चादर से ढके रहने वाले ग्लेशियर अब तेजी से काले पड़ रहे हैं और उनके पिघलने की रफ्तार भयानक तरीके से बढ़ गई है।

नासा के 25 वर्षों के सैटेलाइट डेटा पर आधारित इस अध्ययन में पाया गया है कि वर्ष 2000 से 2024 के बीच सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों, हिमालयी क्षेत्रों और उत्तर-पूर्व भारत में पीएम (पार्टिकुलेट मैटर) कण प्रदूषण में 20% से अधिक की भारी वृद्धि दर्ज की गई है। गाड़ियों के धुएं और बायोमास जलने से हवा में ऑर्गेनिक कार्बन और सल्फेट की मात्रा में 50% तक का इजाफा हुआ है। जब यह काला कार्बन उड़कर पहाड़ों की बर्फ पर गिरता है, तो बर्फ की सतह काली हो जाती है। यह रिसर्च प्रसिद्ध जर्नल 'एटमॉस्फेरिक एनवायरनमेंट' में भी प्रकाशित हुआ है।

प्रदूषण इंडेक्स में बिहार और बंगाल सबसे ऊपर

बोस इंस्टीट्यूट, कोलकाता के स्रोतों के हवाले से जारी इस रिपोर्ट में एयरोसोल ऑप्टिकल डेप्थ यानी हवा में मौजूद प्रदूषण और धुएं के कणों को मापा गया है। इस प्रदूषण इंडेक्स में बिहार और पश्चिम बंगाल का स्कोर सबसे घातक 0.71 और 0.70 दर्ज किया गया है, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। वहीं, पराली और धूल के लिए बदनाम दिल्ली, पंजाब और हरियाणा का संयुक्त स्कोर 0.51 रहा, जबकि उत्तर-पूर्व भारत का स्कोर 0.40 है। बिहार और बंगाल इस वक्त देश के सबसे बड़े 'प्रदूषण हॉटस्पॉट' बन चुके हैं।

न्यूज विंडो

म्यांमार के राष्ट्रपति 30 मई को पहुंचेंगे बोधगया, होंगी अहम बैठकें

बोधगया। भारत और म्यांमार के संबंधों को नई ऊंचाई देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए म्यांमार यूनियन रिपब्लिक के राष्ट्रपति मिन आंग हाइंग 30 मई से 3 जून तक भारत के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमंत्रण पर हो रहे इस दौरे को दोनों देशों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक रिश्तों के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा, जिसमें कई कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और उद्योग जगत से जुड़े प्रमुख व्यवसायी शामिल रहेंगे।मिली जानकारी के अनुसार, अपनी वर्तमान भूमिका में यह उनका पहला आधिकारिक भारत दौरा होगा। दौरे के कार्यक्रम के तहत राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग 30 मई को विश्व प्रसिद्ध महाबोधि मंदिर बोधगया पहुंचेंगे। भगवान बुद्ध की ज्ञानस्थली बोधगया में उनके आगमन को लेकर प्रशासनिक और सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

बालासोर में बड़ा रेल हादसा टला, ट्रेन के ऊपर गिरा क्रेन, सेवाएं प्रभावित

बालासोर। ओडिशा के बालासोर जिले के नीलगिरि क्षेत्र स्थित गोपीनाथपुर रेलवे स्टेशन के पास देर रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। रेलवे स्लीपरों की लोडिंग और अनलोडिंग के दौरान एक विशाल क्रेन अचानक दो मालगाड़ियों के ऊपर जा गिरा। घटना में किसी के आहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन रेलवे सेवाओं पर इसका व्यापक असर पड़ा है। जानकारी के अनुसार, गोपीनाथपुर रेलवे स्टेशन के क्षेत्र में एक स्लीपर निर्माण इकाई में रेलवे स्लीपरों की लोडिंग और अनलोडिंग का काम चल रहा था। इसी दौरान इस्तेमाल किया जा रहा भारी भरकम क्रेन अचानक असंतुलित होकर गिर पड़ा। क्रेन सीधे रेलवे ट्रैक के पास खड़ी दो मालगाड़ियों पर जा गिरा, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।क्रेन गिरने के कारण रेलवे ट्रैक के ऊपर लगे ओवरहेड इलेक्ट्रिक तार भी टूट गए। बिजली आपूर्ति बाधित होने के चलते रेलवे अधिकारियों को तत्काल उस रूट पर ट्रेनों की आवाजाही रोकनी पड़ी।

महिला को 'डायन' बताकर भीड़ ने किया हमला, पति की पीट-पीटकर हत्या

साबरकांठा। गुजरात के साबरकांठा जिले के विजय नगर तालुका में स्थित गदिवकड़ा गांव में गहरे अंधविश्वास के कारण हुई भीड़ की हिंसा की एक दुखद घटना में पत्नी को बचाने का प्रयास कर रहे मनुभाई डामोर की मौत हो गई। पूरे गांव में अफवाह फैल गई कि उनकी पत्नी कमलाबेन एक डायन हैं, जिसके बाद जानलेवा हमला हुआ। गुजरात के साबरकांठा जिले के गदिवकड़ा गांव में अपनी पत्नी को भीड़ के हमले से बचाने की कोशिश करते हुए एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह जानलेवा टकराव तब हुआ, जब पूरे गांव में यह अफवाह फैल गई कि वहां की एक स्थानीय निवासी कमलाबेन, एक चुड़ैल है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह घटना तब हुई जब गांव वालों की उग्र भीड़ इकट्ठा हुई और उन्होंने मनुभाई रामजीभाई डामोर और उनकी पत्नी को अपना सामान समेटकर हमेशा के लिए गांव छोड़कर चले जाने का आदेश दिया। हालात तेजी से बिगड़ गए, जब भीड़ कमलाबेन पर शारीरिक हमला करने के लिए घर की ओर बढ़ी। अपनी जान को आसन्न खतरे में देखते हुए, मनुभाई और उनके बच्चे हमलावरों से कमलाबेन को बचाने के लिए आगे आए।इस हमले के दौरान गांव वालों ने परिवार पर धारदार हथियारों से हमला किया, और बीच-बचाव करने की कोशिश कर रहे लोगों पर पलटवार किए।

कर्नाटक में 'केरलम मॉडल' की तैयारी

नई कैबिनेट से कट सकता है दिग्गजों का पत्ता, युवाओं को मिलेगा मौका

नई दिल्ली, बेगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक का अगला मंत्रिमंडल केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के प्रयोग जैसा हो सकता है। मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद पार्टी आलाकमान युवा और नई टीम बनाने पर विचार कर रहा है। कांग्रेस संतुलन बनाने की ओर बढ़ती दिख रही है, क्योंकि वह संभवतः 64 वर्षीय डी.के. शिवकुमार को सत्ता की बागडोर सौंपने की तैयारी कर रही है।

ऐसी अटकलें जोरों पर हैं कि अगर शिवकुमार सत्ता संभालते हैं, तो सिद्धारमैया के मंत्रिमंडल के कई वरिष्ठ सदस्यों को अगली सरकार में जगह नहीं मिल पाएगी। जिन लोगों की जगह जा सकती है, उनमें समाज कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा (73), ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज (76) और गृह मंत्री जी. परमेश्वर (74) शामिल हैं।

बैरथी सुरेश, संतोष लाड, दिनेश गुंडू राव और बीजेड जमीर अहमद खान पर भी नजर रखी जा रही है, क्योंकि वे निवर्तमान मुख्यमंत्री के काफी करीब माने जाते हैं। यह फेरबदल लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उस सोच के अनुरूप हो सकता है, जिसमें वे युवा मंत्रिमंडल चाहते हैं। जिस मॉडल को केरलम के यूडीएफ ने अपनाया था।

हालांकि, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने जोर देकर कहा कि अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है, और नए मंत्रिमंडल का चुनाव करते समय अनुभव को अभी भी एक अहम आधार माना जाएगा।

50 वर्ष से कम उम्र वाले विधायकों को दी जाएगी प्राथमिकता

कुछ लोगों का कहना है कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व अनुभव और युवा चेहरों के एक स्वस्थ मिश्रण पर विचार कर रहा है। सिद्धारमैया सरकार के लगभग 15 मंत्रियों और पांच युवा मंत्रियों को अगली सरकार में भी बनाए रखा जा सकता है, जबकि बाकी पद उन नए चेहरों को दिए जा सकते हैं, जिन्हें शिवकुमार ने खुद चुना होगा।कर्नाटक में मुख्यमंत्री के साथ मंत्रिमंडल में कुल 34 पद हैं, जिनमें के.एन. राजन्ना और बी. नागेंद्र के इस्तीफे तथा डी. सुधाकर के निधन के बाद तीन पद खाली हैं। पदाधिकारियों का कहना है कि राहुल ने पहले सिद्धारमैया को सलाह दी थी कि वे अपने मंत्रिमंडल में 50 वर्ष से कम उम्र के ज्यादा विधायकों को शामिल करें। अगली सरकार के गठन में भी इसी फॉर्मूले को अपनाया जाएगा।

राज्यपाल ने मंजूर किया सिद्धारमैया का इस्तीफा

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया था, जिसे राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने अब मंजूर कर लिया है। सिद्धारमैया ने जब इस्तीफा दिया तब राज्यपाल मौजूद नहीं थे, जिसके बाद उन्होंने अपना इस्तीफा सचिव को सौंप दिया था। हालांकि बेंगलुरु आने के बाद राज्यपाल ने सिद्धारमैया का इस्तीफा मंजूर कर लिया।

कौशांबी में आंधी-बारिश का तांडव, मकान ढहने से मां-बच्चों समेत चार की मौत

कौशांबी। सदर तहसील क्षेत्र के दूनी का पुरवा मजरा पूरब शरीरा में गुरुवार देर रात आंधी और बरसात में कच्चा मकान भर-भराकर ढह गया। इस दुखद हादसे में घर के अंदर बच्चों संग सो रही ईंट-भट्ठा मजदूर मंगर सरोज की 26 वर्षीय पत्नी माया देवी, चार वर्षीय बेटी श्वेता व तीन वर्षीय बेटे अनुभव की मलबे में दबकर मौत हो गई। जबकि मंगर का छह वर्षीय पुत्र अंकुश को भी गंभीर चोट आई है।

इलाज के लिए उसे स्थानीय लोगों ने मेडिकल कालेज में भर्ती कराया है।वहीं, सिराथू तहसील क्षेत्र के पहाड़पुर गांव में टीन शेड की चपेट में आने से 50 वर्षीय चंद्रभवन पुत्र शुकरु की मौत हो गई। शवों के पोस्टमार्टम की कार्रवाई पुलिस द्वारा की जा रही है।दूनी का पुरवा मजरा पूरब शरीरा में जिस समय घटना हुई। उस समय मंगर ईंट भट्ठे पर था। उसकी पत्नी बेटे व बेटी की मौत घर के सामने लगे नीम का पेड़ गिरने की वजह से हुई। घटना से बस्ती में मातम छाया है। पुलिस-प्रशासन के अफसर मौके पर मौजूद हैं।वहीं, अन्य जगहों पर हुई घटनाओं में कहीं मवेशी की मौत हो गई है तो कहीं लोग पेड़ों की डाल, छप्पर आदि की चपेट में आने से लोग घायल हुए हैं।

बिहार में फिर बड़ा नाव हादसा गोपालगंज में डूबीं तीन लड़कियां

गोपालगंज। जिले के महम्मदपुर थाना क्षेत्र स्थित डुमरिया घाट पर सुबह बड़ा हादसा हो गया। गंडक नदी को नाव से पार करने के दौरान तीन बच्चियों तेज धार व हवा की चपेट में आकर लापता हो गईं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई तथा स्वजन में चीख-पुकार गूंज उठी। जबकि नाव डूब गई। बताया जाता है कि सल्लेहपुर टंडसपुर गांव निवासी चंदन यादव की उम्र करीब दस वर्ष दो बेटियां तथा मजिस्टर राय की एक बेटी रोजाना की तरह गुरुवार सुबह खेती के काम से नदी के दूसरी तरफ जा रही थीं।

स्थानीय लोगों के अनुसार तीनों बच्चियां गंडक नदी नाव से पार कर रही थीं। इसी दौरान नदी की तेज धार में एक बच्ची बहने लगी।उसे बचाने के प्रयास में दो अन्य बच्चियों भी गहरे पानी में चली गईं और देखते ही देखते तीनों लापता हो गईं।

तनाव से डगमगाया वैश्विक व्यापार, भारत शांति बहाल करने के लिए तैयार: डोभाल

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव के बीच भारत ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर गहरी चिंता जताई है। मॉस्को में आयोजित सुरक्षा मामलों के उच्च पदस्थ अधिकारियों की बैठक में भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने वैश्विक व्यापार को बिना किसी बाधा के जारी रखने की जोरदार वकालत की। उन्होंने खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर जैसे अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया।अजीत डोभाल ने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मंच को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया के संघर्ष का जिक्र करना इस समय बेहद जरूरी है। क्षेत्र में जारी तनाव

गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। समुद्री यातायात पर मंडराता खतरा और ऊर्जा बुनियादी ढांचे में आ रही रुकावटें यह दर्शाती हैं कि मौजूदा स्थिति कितनी नाजुक है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर के जरिए होने वाला अंतरराष्ट्रीय व्यापार वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य बना नया फ्लैशपॉइंट

यह संकट तब और गहरा गया जब अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर हमला कर दिया। इसके जवाब में सैन्य कार्रवाई के साथ-साथ तेहरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी कर दी, जिससे दुनिया भर में तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हो गई। ईरान इस कदम के जरिए अमेरिका पर संघर्षविराम का दबाव बना रहा है।

मेट्रो एंकर — सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की सांख्यिकीय रिपोर्ट में गंभीर स्थिति का खुलासा

हर चौथी लड़की की शादी 21 साल से पहले, बाल विवाह में बंगाल-झारखंड आगे

नई दिल्ली, एजेंसी

लड़कियों की शिक्षा और देर से शादी को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे देशव्यापी अभियानों के बावजूद भारत के कई राज्यों में आज भी बाल विवाह की कुप्रथा देखने को मिल रही है। 'सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम' की सांख्यिकीय रिपोर्ट 2024 के अनुसार, पश्चिम बंगाल और झारखंड में देश भर में सबसे अधिक बाल विवाह हो रहे हैं। यहां लड़कियों की शादी 18 साल की कानूनी उम्र से पहले की जा रही है।

भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी इस रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर जहां महिलाओं की शादी की औसत उम्र बढ़कर 23.1 साल हो गई है और 73.5' महिलाएं 21 साल के बाद शादी कर रही हैं, वहीं पूर्वी और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में यह समस्या आज भी गंभीर बनी हुई है।

हर चार में एक लड़की की 21 साल से कम उम्र में हुई शादी

राष्ट्रीय स्तर पर, 2024 में शादी करने वाली 2.1' महिलाएं 18 साल से कम उम्र की थीं, जबकि 24.5' ने 18 से 20 साल की उम्र के बीच शादी की। लगभग तीन-चौथाई - 73.5' - ने 21 साल या उससे भी कम उम्र में शादी की। कुल मिलाकर, 2024 में भारत में हर चार में से एक से ज्यादा महिला ने 21 साल की उम्र से पहले ही शादी कर ली।

इन राज्यों में सबसे अधिक बाल विवाह

रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल में 18 साल से कम उम्र में शादी करने वाली लड़कियों का अनुपात देश में सबसे अधिक 6.3' दर्ज किया गया, जिसके बाद झारखंड 4.9' के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, छत्तीसगढ़ भी उन राज्यों में शामिल है जहां लड़कियों का एक बड़ा हिस्सा (2.9') अभी भी 18 साल से पहले ही शादी कर लेता है। ग्रामीण भारत में, 18 साल की उम्र पूरी होने से पहले शादी करने वाली लड़कियों का अनुपात 2.4' था, जबकि शहरी इलाकों में यह 1.1' था। ग्रामीण क्षेत्रों में पश्चिम बंगाल में बाल विवाह का अनुपात सबसे अधिक 5.9' दर्ज किया गया, जिसके बाद झारखंड (5.8') का स्थान रहा। शहरी इलाकों में भी बाल विवाह के मामले में पश्चिम बंगाल सबसे आगे रहा, जहां यह अनुपात 7.6' था। यह शहरी राष्ट्रीय औसत 1.1' से कहीं अधिक है।सर्वेक्षण में दिल्ली में बाल विवाह का कोई भी मामला सामने नहीं आया, जबकि केरल में यह दर सबसे कम 0.04' दर्ज की गई। हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में भी ये आंकड़े बहुत कम रहे। स्वास्थ्य और सामाजिक विशेषज्ञों का कहना है कि कम उम्र में शादी का सीधा असर लड़कियों की पढ़ाई छूटने, कम उम्र में मां बनने के खतरों और उनके खराब स्वास्थ्य के रूप में सामने आ रहा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564